राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 32 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, सोमवार ,02 अगस्त 2021 , मूल्य रु. 1.50

पीवी सिंधु ने रचा इतिहास

बैडमिंटन में ब्रॉन्ज मेडल जीता, चीन की हे बिंग जियाओ को दी मात

इतने सालों तक कड़ी मेहनत की। मुझे लगता है कि मैंने वास्तव में अच्छा किया है। मेरे अंदर बहुत सारी भावनाएं चल रही थीं, क्या मुझे खुशी होनी चाहिए कि मैंने कांस्य जीता या दुखी होना चाहिए कि मैंने फाइनल में खेलने का अवसर खो दिया? मेरे परिवार ने मेरे लिए कड़ी मेहनत की और बहुत प्रयास किया, इसलिए मैं उनकी बहुत आभारी हूं। भारतीय प्रशंसकों ने मुझे अपना प्यार और समर्थन दिया और मैं उन सभी की बहुत आभारी हूं। वास्तव में यह लंबा सफर था, लेकिन मुझे धैर्य और शांत रहना था। आगे बढ़ने के बावजूद मैंने आराम नहीं किया।

– मेडल जीतने के बाद पीवी सिंधु

सिंधु दो ओलंपिक खेलों में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दी बधाई

कहा- वह भारत का गौरव हैं।

भारतीय हाकी टीम ग्रेट ब्रिटेन को हरा सेमीफाइनल में पहुंची

49 साल बाद आया यह मौका

सात टांके लगने के बाद भी शेर की तरह लड़े सतीश कुमार, विरोधी भी कायल

जलोलोव बखोदिर से हारे, पर देश का दिल जीता

असम-मिजोरम विवाद सुलझाने केंद्र सक्रिय

गृह मंत्री शाह ने की दोनों सीएम से बात

सीमा की सैटेलाइट मैपिंग होगी, झड़प की सीबीआई जांच नहीं होगी, हिमंत ने सुप्रीम कोर्ट जाने की बात कही

नई दिल्ली ■ एजेंसी

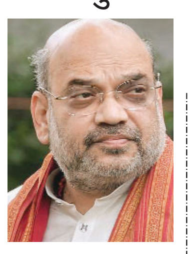

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा और मिजोरम के मुख्यमंत्री जोरामथंगा से पूर्वोत्तर के दोनों राज्यों के बीच सीमा विवाद को शांत करने लिए रविवार को फोन पर बात की। जोरामथंगा ने कहा कि फोन कॉल के दौरान फैसला किया गया कि सीमा विवाद का सौहार्दपूर्ण तरीके से सार्थक संवाद के जरिये समाधान किया जाए। हाल की झड़प की सीबीआई जांच नहीं की जाएगी।

केंद्र ने सैटेलाइट मैपिंग के जरिए पूर्वोत्तर राज्यों का सीमा विवाद सुलझाने का फैसला किया है। अधिकारियों ने बताया कि मैपिंग का काम नॉर्थ ईस्टर्न स्पेस एप्लिकेशन सेंटर (नेसाक), डिपार्टमेंट ऑफ स्पेस (डीओएस) और नॉर्थ ईस्टर्न काउंसिल (एनईसी) को दिया गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कुछ महीने पहले सैटेलाइट मैपिंग के जरिए राज्यों की सीमाओं के सीमांकन का सुझाव दिया था। शाह ने पूर्वोत्तर में सीमाओं और जंगलों की मैपिंग के लिए नेसाक की मदद लेने की बात कही थी। शिलांग स्थित नेसाक पहले से ही इस इलाके में फ्लड मैनेजमेंट के लिए स्पेस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रहा है। यह मुद्दा सोमवार को लोकसभा में उठ सकता है। नियम-377-क के तहत यह मसला उठाने की तैयारी है।

कांग्रेस रोज दर्ज करा देती हैएक एफआईआर : सरमा

गोवाहाटी, (एजेंसी)। मिजोरम के साथ सीमा विवाद पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि अगर उनपर एफआईआर से विवाद सुलझता है तो वो उन्हें खुशी है। सीएम ने कहा कि सीमा विवाद सुलझाने के लिए सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। मिजोरम पुलिस द्वारा उनके खिलाफ एफआईआर पर सीएम सरमा ने कहा कि मेरे खिलाफ कांग्रेस पार्टी रोज एक एफआईआर दर्ज करा देती है। एक और एफआईआर दर्ज हो गई, इससे मुझे कोई समस्या नहीं है। अगर मिजोरम सरकार मुझे कोई नोटिस जारी करती है तो मैं किसी भी पुलिस स्टेशन में पेश हो जाऊंगा।

सीमा मुद्दे को सुलझाने पर सहमतिः जोरामथंगा

मिजोरम के सीएम जोरामथंगा ने रविवार को कहा कि अंतरराज्यीय सीमा मुद्दे पर असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा के साथ उनकी चर्चा हुई है और मसले को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलाझाने सहमति जताई है। मिजोरम सरकार ने कहा कि वह 26 जुलाई को संघर्ष में असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा के खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस लेने पर विचार कर रही है।

जुलाई में जीएसटी राजस्व संग्रह एक लाख करोड़ रुपए के पार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। वित्त मंत्रालय ने रविवार को जीएसटी रेवेन्यू कलेक्शन का डेटा जारी किया। इसके मुताबिक, जुलाई में जीएसटी से होने वाला कलेक्शन 1,16,393 करोड़ रुपए रहा है। जून में यह आंकड़ा 92,849 करोड़ रुपए रहा था। जुलाई में जीएसटी का ग्रॉस कलेक्शन का डेटा साल भर पहले से 33 फीसदी ज्यादा है। इससे पहले देश में कोरोना की दूसरी लहर से लागू जगह-जगह लॉकडाउन से कलेक्शन का आंकड़ा जून में आठ महीने बाद एक लाख करोड़ रुपए से नीचे आ गया था।

1,16,393 करोड़ संग्रहित

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि कोविड-19 से जुड़ी पाबंदियों में ढील से जुलाई में जीएसटी कलेक्शन का आंकड़ा एक बार फिर एक लाख करोड़ रुपए के पार निकला है। इससे अर्थव्यवस्था में तेजी से रिकवरी साफ तौर पर देखी जा सकती है। आगे भी जीएसटी कलेक्शन का आंकड़ा बढ़ने की उम्मीद है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक कुल जीएसटी कलेक्शन में केंद्र सरकार का हिस्सा यानी सीजीएसटी का हिस्सा 22,197 करोड़ रुपए, राज्यों का हिस्सा यानी एसजीएसटी 28,541 करोड़ रुपए, इंटीग्रेटेड यानी आईजीएसटी का 57,864 करोड़ रुपए और सेस का 7,790 करोड़ रुपए शामिल है। जीएसटी कलेक्शन का यह आंकड़ा एक जुलाई से 31 जुलाई के बीच का है।

देश अंतरराष्ट्रीय कानून का समर्थक व संयम की आवाज बना रहेगा

भारत के हाथों में आई संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा की कमान

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत के अगस्त महीने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की अध्यक्षता संभालने के बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को कहा कि भारत हमेशा संयम की आवाज, वार्ता का पैरोकार और अंतरराष्ट्रीय कानून का समर्थक बना रहेगा।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने इसे महत्वपूर्ण दिन बताया और दुनिया को लेकर भारत के दृष्टिकोण का वर्णन करने के लिए 'वसुधैव कुटुम्बकम' (दुनिया एक परिवार है) का उल्लेख किया। जयशंकर ने ट्वीट किया, 'अगस्त के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता संभालने के साथ हम अन्य सदस्यों के साथ सार्थक रूप से काम करने के लिए उत्सुक हैं।

पीएम मोदी यूएन को करेंगे संबोधित

संयुक्त राष्ट्र में भारत के पूर्व स्थायी प्रतिनिधि सैयद अकबरुद्दीन ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संभवतः नौ अगस्त को परिषद की बैठक की अध्यक्षता कर सकते हैं। मोदी देश के पहले ऐसे प्रधानमंत्री जो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता करेंगे।

यूएनएससी में भारत का यह सातवां कार्यकाल

भारत की अध्यक्षता का पहला कामकाजी दिन दो अगस्त होगा। भारत ने एक जनवरी को यूएनएससी के गैर स्थायी सदस्य के तौर पर दो साल का कार्यकाल शुरू किया। अस्थायी सदस्य के तौर पर भारत का यह सातवां कार्यकाल है। भारत 1950-51, 1967-68, 1972-73, 1977-78, 1984-85 और 1991-92 में सदस्य रह चुका है। भारत का कार्यकाल पांच 'स'-सम्मान, संवाद, सहयोग, शांति और समृद्धि से निर्देशित होगा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ मिर्जापुर में मां विद्यावासिनी कॉरिडोर और कई अन्य विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी। सांसद अनुप्रिया पटेल भी नजर आई.

दो साल में 24 हजार बच्चों ने की खुदकुशी

सबसे अधिक मामले मप्र से आए सामनेः एनसीआरबी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सरकार के एक आंकड़े के मुताबिक देश में साल 2017-19 के बीच 14-18 एज ग्रुप के 24 हजार से ज्यादा बच्चों ने खुदकुशी की है, जिनमें एग्जाम में फेल होने से खुदकुशी करने के चार हजार से अधिक मामले शामिल हैं। संसद में हाल में पेश नेशनल क्राइम रिकॉर्ड यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के मुताबिक 14-18 एज ग्रुप के कम से कम 24,568 बच्चों ने साल 2017-19 के बीच खुदकुशी की।इनमें 13,325 लड़कियां शामिल हैं। अगर इन्हें वर्षवार देखा जाए तो 2017 में 14-18 एज ग्रुप के कम से कम 8029 बच्चों ने खुदकुशी की थी, जो 2018 में बढ़कर 8,162 हो गई और 2019 में यह संया बढ़कर 8377 हो गई। इस एज ग्रुप में खुदकुशी के सबसे अधिक मामले मध्य प्रदेश से सामने आए, जहां 3115 बच्चों ने आत्महत्या की। इसके बाद प. बंगाल में 2802, महाराष्ट्र में 2527 और तमिलनाडु में 2035 बच्चों ने खुदकुशी की।

4046 बच्चों ने एग्जाम में फेल होने की वजह से की आत्महत्या- 4046 बच्चों ने परीक्षा में फेल होने पर और 639 बच्चों ने विवाह से जुड़े मुद्दों पर खुदकुशी की। इनमें 411 लड़कियां शामिल हैं। इसके अलावा 3315 बच्चों ने प्रेम संबंधों के चलते और 2567 बच्चों ने बीमारी से, 81 बच्चों ने शारीरिक शोषण से तंग आ कर खुदकुशी कर ली। खुदकुशी के पीछे किसी प्रियजन की मौत, नशे का आदी होना, गर्भधारण करना, सामाजिक प्रतिष्ठा धूमिल होना है।

विश्वास की कमी भी खुदकुशी की एक वजह- छोटे बच्चे असर आवेग में आ कर खुदकुशी की कोशिश करते हैं। ये भाव दुख से, भ्रम से, गुस्से, परेशानी, मुश्किलों आदि से जुड़े हो सकते हैं। किशोरों में आत्महत्या के मामले दबाव, खुद पर विश्वास की कमी, सफल होने का दबाव आदि बातों से जुड़े हो सकते हैं और कुछ किशोर आत्महत्या को समस्याओं का हल मान लेते हैं। उन्होंने कहा, 'हमारा मानना है कि प्रत्येक बच्चा और किशोर गुणवाापरक मानसिक स्वास्थ्य देखभाल और मानसिक-सामाजिक सहयोग तंत्र पाने का हकदार है।

संन्यास लेने के बाद भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मिले पूर्व केंद्रीय मंत्री बाबुल सुप्रियो

नई दिल्ली। राजनीति और भाजपा से संन्यास लेने के बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री बाबुल सुप्रियो ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। नई दिल्ली में जेपी नड्डा के आवास पर बाबुल सुप्रियो की करीब एक घंटे तक बातचीत चली।

सूत्रों के मुताबिक, जेपी नड्डा ने बाबुल सुप्रियो से फैसले पर दोबारा विचार करने को कहा है। बाबुल सुप्रियो ने शनिवार शाम सोशल मीडिया पर राजनीति छोड़ने का ऐलान किया है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो मंगलवार तक बाबुल सुप्रियो पर आखिरी फैसला हो सकता है। मंगलवार को बाबुल सुनाएंगे अपना फैसलाः मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सोमवार को सदन की कार्यवाही खत्म होने के बाद जेपी नड्डा और बाबुल सुप्रियो के बीच दोबारा मुलाकात हो सकती है ।

56 वर्ष से अवरुद्ध मार्ग फिर से खुला भारतीय मालगाड़ी बांग्लादेश पहुंची

ढाका ,एजेंसी । भारत से पत्थर ले जाने वाली पहली मालगाड़ी हल्दीबाड़ीचिलाहाटी रेल लिंक से बांग्लादेश के सीमांत नीलफामरी जिले के चिलाहाटी रेलवे स्टेशन पर रविवार को पहुंची। परियोजना निदेशक अदुर रहीम ने बीडीटी में रविवार को दोपहर 1.35 मिनट पर 40 माल डिबों से करीब 2500 टन पत्थरों को प्राप्त किया। इस अवसर पर बांग्लादेश में भारतीय उच्चायोग के अधिकारी भी मौजूद थे। इससे पहले यह ट्रेन शनिवार रात पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के अलीपुरद्वार मंडल के दमदीम स्टेशन से रवाना हुई थी। हल्दीबाड़ी-चिलाहाटी मार्ग असम, पश्चिम बंगाल, नेपाल और भूटान से बांग्लादेश में माल परिवहन के लिए छोटा मार्ग प्रदान करेगा। इस रेल लिंक से क्षेत्रीय व्यापार में वृद्धि होने और क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास को प्रोत्साहित करने के लिए मुय बंदरगाहों, शुष्क बंदरगाहों तथा भूमि सीमाओं तक रेल नेटवर्क की पहुंच बढ़ाने की उमीद है। करीब 56 साल से ठप पड़े इस रेल लिंक से दक्षिण एशियाई देशों की आर्थिक गतिविधियों को भी फायदा होगा।

लाइव आरती के जरिए हर घर में बाबा अमरनाथ के दर्शन

जम्मू, (एजेंसी)। कोरोना महामारी के परिप्रेक्ष्य में इस वर्ष भी अमरनाथ यात्रा रद्दकर दी गई है, हालांकि अमरनाथ श्राइन बोर्ड के प्रयासों से प्रत्येक घर और सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर 'लाइव आरती' के जरिये श्रद्धालु पवित्र घंटियों की झंकार और 'बम-बम भोले' तथा 'हर-हर महादेव' के उद्घोष के बीच बफार्नी बाबा के दर्शनों का लाभ ले रहे हैं। श्रद्धालुओं ने इस तरह की नेक पहल के लिए श्राइन बोर्ड का यह कहते हुए आभार व्यक्त किया है कि वे भगवान अमरनाथ के वर्चुअल दर्शन से धन्य महसूस कर रहे हैं। केंद्रशासित प्रदेश जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल एवं श्राइन बोर्ड के अध्यक्ष मनोज सिन्हा ने गत छह जुलाई को बोर्ड की ऑनलाइन सेवाओं का शुभारंभ किया था।

कोविड-19 वैक्सीनेशन और मास्क के जरिए कम कर सकते हैं असर

आईसीएमआर ने चेताया, तीसरी लहर तय

नई दिल्ली, (एजेंसी)। वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के महानिदेशक डॉ. शेखर सी मांडे ने कहा कि कोरोना की अगली यानी तीसरी लहर निश्चित रूप से आ रही है, लेकिन यह अनुमान लगाने से इनकार कर दिया कि यह कैसे और कब हमला करेगी।

उन्होंने कहा कि वैक्सीनेशन और मास्क पहनने से निश्चित रूप से तीसरी लहर की तीव्रता को कम करा जा सकता है। वायरस का डेल्टा प्लस वेरिएंट चिंता का विषय नहीं था। डेल्टा संस्करण खराब है, लेकिन डेल्टा प्लस के बारे में चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

- **देश में पिछले 24 घंटे में 41,831 नए केस, 541 मरीजों ने गंवाई जान**
- **दिल्ली में फिर बढ़े मामले, पिछले 24 घंटों में 85 नए केस आए सामने**
- **तमिलनाडु में 24 घंटे में 1930 केस मिले, 26 संक्रमितों की जान गई**
- **महाराष्ट्र में मिला जीका वायरस का पहला केस, केरल में पहले से 63**

अब केरल में वीकेंड लॉकडाउन

कोरोना की तीसरी लहर की आशंका के बीच केरल में कोविड-19 के मामलों में वृद्धि को देखते हुए रविवार को पूर्ण लॉकडाउन कर दिया गया है। केरल सरकार ने गुरुवार को 31 जुलाई से एक अगस्त तक पूर्ण लॉकडाउन की घोषणा की थी। तिरुवनंतपुरम और कोच्चि में सड़कें सुनसान रहीं और केवल आवश्यक वस्तुओं की बिक्री करने वाली दुकानों को ही खुले रहने की अनुमति दी गई। 1.54 लाख के सक्रिय मामलों के साथ केरल देश में कुल सक्रिय मामलों में 37.1 प्रतिशत का योगदान दे रहा है।

एक्शन में एसआईटी, 243 संदिग्धों से पूछताछ, दो दरोगा निलंबित

रांची, (एजेंसी)। धनबाद के एडीजे उत्तम आनंद की मौत के मामले में एसआईटी ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी। शनिवार रात से ही पुलिस ने पूरे जिले में अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी की। इस दौरान 243 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया।

कई अपराधियों की गिरफ्तारी भी हुई। दो दरोगा भी निलंबित किए गए। एसआईटी ने होटलों में भी तलाशी ली। इतना ही नहीं एसआईटी ने रविवार को एक बार फिर से क्राइम सीन का दोबारा निरीक्षण किया। इस दौरान एसआईटी के मुखिया एडीजी संजय आनंद लाटकर खुद भी मौजूद रहे। एडीजे उत्तम आनंद मौत मामले में एसआईटी ने रविवार को धनबाद सर्किट हाउस में मैराथन बैठक की। बैठक की अगुआई खुद एडीजी संजय आनंद लाटकर कर रहे थे।

जज हत्याकांड मामला ढाई सौ ऑटो जब्त

सार समाचार

पाकिस्तान में कोविड-19 के 5000 से अधिक नए मामले, कुल संख्या 1,40,000 के पार पहुंची

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में रविवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 5,026 नए मामले आए जो बीते तीन महीनों में एक दिन में आए सर्वाधिक मामले हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय ने एक आधिकारिक सूचना में कहा कि पिछले 24 घंटों में संक्रमण से 62 लोगों की मौत हो गयी जिससे कोविड-19 से मरने वाले लोगों की संख्या 23,422 हो गयी है। संक्रमण के कुल मामलों की संख्या 10,34,837 है। आखिरी बार 29 अप्रैल को संक्रमण के दैनिक मामलों की संख्या 5,000 के पार दर्ज की गयी थी। तब एक दिन में 5,113 मामले सामने आए थे। अभी कोरोना वायरस संक्रमण दर 8.82 प्रतिशत है। अभी तक 9,41,659 लोग इस बीमारी से पूरी तरह स्वस्थ हो चुके हैं। प्राधिकारियों ने बताया कि महामारी की चौथी लहर से निपटने के लिए टीकाकरण, नियमों का कार्यान्वयन और लॉकडाउन प्राथमिकता है। अभी तक देश में कोविड-19 रोधी टीकों की 2.96 करोड़ खुराक दी जा चुकी है।

अफगान संकट पर 11 अगस्त को बैठक करेंगे पाक, चीन समेत चार देशों के वरिष्ठ अधिकारी

इस्लामाबाद। अफगानिस्तान को एक और गृहयुद्ध की चपेट में जाने से रोकने के प्रयासों के तहत पाकिस्तान, अमेरिका, रूस और चीन के वरिष्ठ अधिकारी 11 अगस्त को दोहा में बैठक करेंगे। यह जानकारी शनिवार को मीडिया की एक खबर से मिली। तथाकथित विस्तारित ट्रोइका की बैठक अमेरिका और नाटो बलों की अफगानिस्तान से वापसी की शुरुआत के बाद से युद्धग्रस्त देश में अफगान तालिबान द्वारा तेजी से पैठ बनाने की पृष्ठभूमि में हो रही है। 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की खबर के अनुसार, इन चार प्रमुख देशों के विशेष प्रतिनिधि पिछली बार अप्रैल में दोहा, कतर में मिले थे और इनके पहले भी अघोषित सत्र हुए हैं।

अफगानिस्तान में दो वाहनों की जोरदार टक्कर, 20 लोगों की मौत; 18 घायल

काबुल। अफगानिस्तान के पूर्वी क्षेत्र में अलग-अलग दुर्घटनाओं में 20 लोगों की मौत हो गई और 18 अन्य घायल हो गए। एक प्रांतीय अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। आधिकारिक प्रवक्ता असदुल्ला दौलतजई ने बताया कि दोनों दुर्घटनाएं अफगानिस्तान की राजधानी काबुल और पूर्वी नंगरहार प्रांत को जोड़ने वाले मुख्य राजमार्ग पर लगमन प्रांत में हुईं। उन्होंने बताया कि करघई जिले में शनिवार सुबह दो वाहनों की टक्कर में 12 लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। उन्होंने बताया कि शुक्रवार देर रात उसी इलाके में राजमार्ग पर एक मिनी बस और कार की टक्कर में आठ अन्य लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। दौलतजई ने कहा कि हताहतों में बच्चे भी शामिल हैं, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि कितने बच्चे हताहत हुए हैं। उन्होंने कहा कि घायलों को इलाज के लिए लगमन और नंगरहार प्रांत के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र मिशन ने परिसर पर हमले की जांच की मांग की

काबुल। अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएएमए) ने रविवार को तालिबान से पूरी जांच करने और हेरात प्रांत में उसके परिसर पर हाल ही में हुए हमले के संबंध में जांच कराने की मांग की है। यूएनएएमए के अनुसार, जब तालिबान ने 30 जुलाई को हेरात में अफगान सुरक्षा बलों के साथ भीषण संघर्ष किया, तो शहर में संयुक्त राष्ट्र के मुख्य परिसर पर रॉकेट से चलने वाले हथगोले और गोलियों से हमला किया गया। मिशन ने कहा , तथाकथित सरकार विरोधी तत्वों ने रॉकेट से चलने वाले ग्रेनेड और गोलियों के साथ स्पष्ट रूप से चिह्नित संयुक्त राष्ट्र सुविधा के प्रवेश द्वारों को निशाना बनाया, जब तालिबान लड़ाके हेरात शहर में घुस गए और यूएनएएमए के प्रांतीय मुख्यालय के पास अफगान सुरक्षा बलों से भिड़ गए। मिशन ने ट्विटर पर लिखा कि जिस हमले में एक अफगान गार्ड की मौत हुई थी, उसके लिए अपराधियों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। तालिबान द्वारा बड़े पैमाने पर हमला करने और अफगान शहर पर कब्जा करने की कोशिश के बाद 28 जुलाई की शुरूआत से हेरात में भारी लड़ाई हो रही है। तालिबान को आगे बढ़ने से रोकने के लिए अफगान सुरक्षा बलों और स्थानीय सार्वजनिक विद्रोह बलों में शामिल होने के बाद रविवार को, शहर में लड़ाई फिर से शुरू हुई और चौथे दिन में प्रवेश किया।

कंबोडिया ने किशोरों के लिए कोविड टीकाकरण अभियान शुरू किया

नोम पेन्ह। कंबोडिया ने रविवार को चीनी सिनोवैक जैब का उपयोग करते हुए 12 से 17 वर्ष की आयु के किशोरों के लिए एक कोविड टीकाकरण अभियान शुरू किया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, प्रधान मंत्री हुन सेन और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने अपने पोते-पोतियों को राजधानी नोम पेन्ह के पीस पैलेस में एक टीकाकरण स्थल पर ले आएंगे। लॉन्च इवेंट में मीडिया को संबोधित करते हुए, हुन सेन ने कहा कि दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र में लगभग 20 लाख किशोर हैं। उन्होंने सभी माता-पिता और कानूनी अभिभावकों से अपने बच्चों का टीकाकरण कराने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बच्चों के लिए टीकाकरण आज झुंड प्रतिरक्षा हासिल करने के लिए एक और महत्वपूर्ण कदम है। कोविड -19 ने मानव संसाधन के विकास को गंभीर रूप से प्रभावित किया है, और लगभग सभी देशों ने स्कूल बंद कर दिए हैं। हुन सेन ने कहा कि किशोरों के लिए टीकाकरण राज्य के लिए फरवरी के अंत से बंद होने के बाद कम से कम माध्यमिक विद्यालयों से ऊपर के स्कूलों को फिर से खोलने का मार्ग प्रशस्त करेगा। प्रधान मंत्री ने कहा कि जीवन का अधिकार पहली प्राथमिकता है और सरकार द्वारा उठाए गए सभी कड़े कदम जीवन की रक्षा के लिए हैं।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का अध्यक्ष बना भारत, पाकिस्तान की बढ़ी टेंशन

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

भारत को एक अगस्त से एक महीने के लिये संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की अध्यक्षता मिलने से पहले पाकिस्तान ने शनिवार को उम्मीद जताई कि नयी दिल्ली अंतरराष्ट्रीय नियमों और कायदों का पालन करेगी। विदेश कार्यालय (एफओ) के प्रवक्ता ने अगस्त महीने के लिये भारत द्वारा संरा सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता संभाले जाने से जुड़े एक सवाल के जवाब में यह बयान दिया। विदेश कार्यालय ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि भारत सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता के दौरान प्रासंगिक नियमों और कायदों का अनुपालन करेगा।'

अगस्त में भारत को मिलने वाली अध्यक्षता 2021-22 के कार्यकाल के दौरान सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के तौर पर यह जिम्मेदारी निभाने का उसका पहला मौका होगा। सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के तौर पर भारत का दो साल का कार्यकाल एक जनवरी 2021 को शुरू हुआ है। भारत इसके बाद सुरक्षा परिषद में अपने दो वर्ष के कार्यकाल के आखिरी महीने, अगले साल दिसंबर, में फिर से सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता करेगा। इसकी अध्यक्षता के दौरान भारत तीन प्रमुख क्षेत्रों- नौवहन सुरक्षा, शांतिरक्षक और आतंकवादनिरोधी - में उच्च स्तरीय कार्यक्रमों का आयोजन करेगा। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टी एस तिरुमूर्ति ने संरा के 15 सदस्यीय इस शक्तिशाली निकाय की आवर्ती अध्यक्षता संभालने की पूर्व संध्या पर एक वीडियो संदेश में कहा कि भारत के लिये नौवहन सुरक्षा उच्च प्राथमिकता वाली है 'और सुरक्षा परिषद के लिये यह महत्वपूर्ण है कि वह इस पर समग्र रुख अपनाए।'

उन्होंने कहा कि शांतिरक्षक का विषय 'हमारे लंबे और नेतृत्वकारी जुड़ाव की वजह से दिल के करीब है'। उन्होंने कहा कि शांतिरक्षा के साथ भारत इस बात पर भी ध्यान केंद्रित करेगा कि शांतिरक्षकों की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जाए, विशेषरूप से बेहतर प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल के जरिये और कैसे शांतिरक्षकों के प्रति अपराध करने वालों को कानून के दायरे में लाया जाए। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में हमेशा अग्रिम मोर्चे पर रहने वाले देश के तौर पर भारत आतंकवाद निरोधी उपायों को भी केंद्र में रखेगा।

पाकिस्तान में आतंकी हमलों में दो सैनिक मारे गए, 9 बुरी तरह जख्मी

पेशावर। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के दक्षिण और उत्तरी वजीरिस्तान में सुरक्षा जांच चौकियों पर अज्ञात आतंकियों की गोलीबारी में कम से कम दो सैनिकों की मौत हो गयी और नौ अन्य घायल हो गए। मीडिया की एक खबर में रविवार को इस बारे में बताया गया। पहली घटना में, आतंकवादियों ने शनिवार को अफगानिस्तान सीमा के पास उत्तरी वजीरिस्तान जिले के शावाल इलाके में सुरक्षा बलों पर हमला किया। इसमें एक सैनिक की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। 'डॉन' अखबार ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि घायल सैनिकों को मिरामशाह के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सूत्रों ने कहा कि जब सुरक्षा बल तलाशी अभियान चला रहे थे तो इलाके में एक आईईडी में विस्फोट हो गया। अभियान में भाग लेने वाले कर्मी सुरक्षित हैं। दक्षिण वजीरिस्तान जिले के दो इलाकों में सुरक्षा बलों पर भी हमला हुआ, जिसमें एक जवान शहीद हो गया और सात अन्य घायल हो गए। खबरों के मुताबिक लाढा सब-डिवीजन के ओस्से पास इलाके में एक वाहन के पास आईईडी फट गया, जिसमें दो जवान घायल हो गए। आतंकवादियों ने लाढा में एक जांच चौकी पर गोलियां चलाईं, लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों ने शुक्रवार रात दक्षिण वजीरिस्तान के मुख्यालय वाना से करीब 30 किलोमीटर उत्तर में तिआर्जा में एक जांच चौकी पर हमला किया। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों ने जांच चौकी पर रॉकेट दागे। जिला पुलिस अधिकारी शौकत अली ने तिआर्जा में हमले की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि हमले में एक सैनिक की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए।

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री ने डॉन रेड्स के लिए प्रशांत समुदाय से माफी मांगी

वेलिंगटन (एजेंसी)।

न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जैसिंडा अर्डर्न ने रविवार को 1970 के दशक में डॉन रेड्स से प्रभावित प्रशांत समुदायों से औपचारिक रूप से माफी मांगी। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, साल 1974 और 1976 के बीच, कठोर आव्रजन नीतियों की एक श्रृंखला को अंजाम दिया गया था, जिसके कारण प्रशांत परिवारों के घरों पर छापे मारे गए थे। यह ठहरने वालों को खोजने, दोषी ठहराने और निर्वासित करने के लिए छापे अक्सर सुबह बहुत जल्दी या देर रात को होते थे। अर्डर्न ने ऑकलैंड के टाउन हॉल में कहा कि, आज मैंने सरकार की ओर से, आव्रजन कानूनों के भेदभावपूर्ण कार्यान्वयन के लिए प्रशांत समुदायों के लिए एक औपचारिक और अनारक्षित माफी की पेशकश की, जिसके कारण डॉन रेड्स छापे पड़े। उन्होंने कहा कि, पिछले कार्यों के लिए हमारे दुख, खेद और पश्चाताप व्यक्त करना सही काम है और बंद करने और सुलह का अवसर प्रदान करता है। पैसिफिक पीपुल्स मिनिस्टर ऑपिटो विलियम सियो ने कहा कि पीछे मुड़कर देखने पर यह स्पष्ट हो गया कि आव्रजन कानून भेदभावपूर्ण थे। विलियम सियो ने कहा कि, प्रशांत लोगों, माओरी और अन्य जातीय समुदायों को विशेष रूप से लक्षित और नस्लीय रूप से प्रोफाइल किया गया था, जो गलत था और ऐसा कभी नहीं होना चाहिए था।

ओमान तट के पास तेल टैंकर पर हुए ड्रोन हमले, इजराइली प्रधानमंत्री ने हमले के लिए ईरान को ठहराया जिम्मेदार

दुबई। (एजेंसी)।

इजराइल के प्रधानमंत्री ने ओमान तट के पास एक तेल टैंकर पर हुए ड्रोन हमले के लिए रविवार को प्रत्यक्ष तौर पर ईरान को जिम्मेदार ठहराया। हालांकि, ईरान ने इस हमले से इनकार किया है। इस हमले में चालक दल के दो सदस्य मारे गये थे। इजराइल के प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट और ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता सईद खातिबजादेह ने बृहस्पतिवार रात तेल टैंकर मर्सर स्ट्रीट पर हुए हमले के बाद यह टिप्पणी की है। इस क्षेत्र में वाणिज्यिक जहाजों पर हमलों में विराम के कुछ वर्षों बाद यह पहला घातक हमला है। इसे परमाणु समझौते को लेकर ईरान के साथ तनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। किसी ने भी इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। हालांकि, ईरान और उसके मिलिशिया सहयोगियों ने पूर्व में ऐसे तथाकथित ''आत्मघाती'' ड्रोन हमले किए हैं।

खातिबजाहेद ने रविवार को आरोपों को ''निराधार'' बताया। उन्होंने कहा, ''ऐसे आरोप-प्रत्यारोप नए नहीं हैं। इस हमले के लिए वे लोग जिम्मेदार हैं जिन्होंने इस क्षेत्र में इजराइली शासन को अपने पैर जमाने दिए। इसमें कुछ नया नहीं है कि अमेरिका में जानी पहचानी ईरान विरोधी लॉबी इस्लामिक देश के खिलाफ आरोप लगाने के किसी भी अवसर का इस्तेमाल करती है।'' यरुशलम में बेनेट ने एक साप्ताहिक कैबिनेट बैठक में इस हमले के लिए प्रत्यक्ष तौर पर ईरान को जिम्मेदार ठहराया।

अमेरिका का परमाणु ऊर्जा चालित विमानवाहक जहाज यूएसएस रोनाल्ड रीगन और गाइडेड मिसाइल विध्वंसक यूएसएस मित्स्चर, मर्सर स्ट्रीट को सुरक्षित बंदरगाह तक लेकर गये। अमेरिकी नौसेना ने शनिवार को यह जानकारी दी थी। उसने कहा कि नौसेना के विस्फोटक विशेषज्ञों का मानना है कि एक ड्रोन ने जहाज पर हमला किया। अमेरिका के एक अधिकारी ने बताया कि हमले की जांच चल रही है। मर्सर स्ट्रीट का प्रबंधन लंदन की जोडियाक मैरीटाइम कंपनी करती है और यह इजराइली अरबपति इयाल ओफेर के जोडियाक समूह का हिस्सा है। कंपनी ने कहा कि हमले में उसके चालक दल के दो सदस्यों की मौत हो गयी। एक सदस्य ब्रिटेन तथा दूसरा रोमानिया का था। हालांकि, उसने यह नहीं बताया कि हमले में क्या हुआ।

म्यांमार में 2023 की दूसरी छमाही में आम चुनाव होने की संभावना

नेपी ताव (एजेंसी)।

म्यांमार में 2023 की दूसरी छमाही में नए आम चुनाव होने की संभावना है। यह जानकारी नवगठित राज्य प्रशासन परिषद के अध्यक्ष, रक्षा सेवाओं के कमांडर-इन-चीफ सेन-जनरल मिन आंग हलिंग ने रविवार को दी है।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने राष्ट्र के नाम एक टेलीविजन संबोधन में मिन के हवाले से कहा कि, संविधान आपातकाल की स्थिति की अवधि के लिए सीमा बताता है। धारा 421 की उपधारा (बी) के अनुसार, अगर कोई आपातकालीन अवधि के एक वर्ष के भीतर कर्तव्यों को पूरा नहीं कर सकता है, तो यह निर्धारित अवधि के केवल दो विस्तार के लिए छह महीने की अवधि देता है। उन्होंने कहा, इस बीच, हमें वह काम करना है जो किया जाना चाहिए। फिर, हमें कानून के अनुसार चुनाव की तैयारी के लिए अगस्त 2023 तक छह महीने लगेंगे। मिन की घोषणा 27 जुलाई को म्यांमार सरकार द्वारा 2020 के आम चुनावों के परिणामों को रद्द करने की घोषणा के बाद हुई, जो कि अपदस्थ नेता आंग सान सू की की नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी (एनएलडी) पार्टी द्वारा जीते गए थे। इस घोषणा के अनुसार, परिणाम रद्द कर दिए गए क्योंकि चुनाव कानूनों के अनुरूप और निष्पक्ष नहीं थे, जिससे 1 फरवरी के तख्तापलट के बहुत कारण थे। तब से, मिन ने राज्य की सत्ता संभाली है। रविवार को अपने संबोधन में, उन्होंने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए परिस्थितियां बनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए बहुदलीय आम चुनाव बिना किसी असफलता के कराने का संकल्प लिया। हम निकट भविष्य में अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों के लिए पिछले आम चुनावों के निष्कर्षों पर ब्रीफिंग करेंगे। उन्होंने एसोसिएशन ऑफ साउथईस्ट एशियन नेशंस के साथ काम करने का भी वादा किया। राज्य प्रशासन परिषद के एक आदेश के अनुसार, रविवार को भी एक संबंधित विकास में, देश ने म्यांमार के कार्यवाहक सरकार के गणराज्य का गठन किया। इस आदेश के तहत, नई कार्यवाहक सरकार के नेतृत्व में मिन प्रधानमंत्री और वाइस सेन-जनरल सो विन उनके उप के रूप में होंगे। कार्यवाहक सरकारी निकाय में केंद्रीय मंत्री, संघ के अटॉर्नी-जनरल और कार्यालय के स्थायी सचिव शामिल हैं।

अफगानिस्तान में यूएन ऑफिस पर तालिबान का हमला, सभी राजनयिक भवन अलर्ट पर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद से जिस बात का अंदेशा था वो अब सच होता दिख रहा है। अफगानिस्तान में यूनाइटेड नेशन के ऑफिस में तालिबान का हमला हुआ है। तालिबानी हमले में संयुक्त राष्ट्र के ऑफिस में तैनात गॉर्ड की मौत हो गई है। हेरात में अफगान जवानों और तालिबानी आतंकियों के बीच में गोलीबारी भी हुई है। तालिबान ने हेरात से कुछ ही दूर के इलाके में संयुक्त राष्ट्र के ऑफिस में गोलियां चलाई हैं। इसमें एक गार्ड के मारे जाने की खबर है। ये झड़पें हेरात प्रांत की राजधानी से लगभग 10 किलोमीटर दूर गुजरा जिले में हो रही थीं। अफगानिस्तान में अमेरिकी और नाटो सैनिकों की वापसी के बीच लड़ाई तेज हो गई है। पहले कभी लोगों को सुरक्षित करना होता था तो संयुक्त राष्ट्र के ऑफिस में भेज दिया जाता था। लेकिन अब वहां भी हमला हो जाने के बाद ये अंदाजा लगाना मुश्किल है कि महफूज कौन सी जगह को माना जाए।

यूएन कार्यालय पर हमले की गुतारेस ने निंदा की

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने अफगानिस्तान के हेरात में संयुक्त राष्ट्र के मुख्य परिसर पर हमले की कड़ी निंदा की और कहा विश्व संगठन के कर्मियों तथा परिसरों पर हमले अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत निषिद्ध हैं तथा इन्हें युद्ध अपराध माना जा सकता है।

मौके की ताक में चीन-पाकिस्तान

एक पुरानी कहावत है कि जब घर में आपस में लड़ाई होती है तो इसका फायदा पड़ोसियों को होता है। अफगानिस्तान के पड़ोसी के तौर पर पाकिस्तान और चीन इसी की ताक में बैठे हैं। हां, ये बात जरूर है कि अफगानिस्तान के पास भारत जैसे भी पड़ोसी देश हैं जो अफगानिस्तान में शांति बहाली की प्रक्रिया को मजबूत होने देना चाहते हैं। अफगान के लोगों का भविष्य अफगान के लोगों के हाथ में हो न कि पाकिस्तान की आर्मी या आईएसआई के हाथ में हो।

पाकिस्तान ने और अधिक अफगान शरणार्थियों को स्वीकार करने से किया इनकार

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तानी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) मोईद युसूफ ने कहा है कि उनका देश अब और अफगान शरणार्थियों को स्वीकार नहीं कर सकता है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय की जिम्मेदारी बनती है कि वह अफगानिस्तान के अंदर उनके लिए व्यवस्था करने के लिए कदम उठाए।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यूसुफ ने कहा कि अगर अफगानिस्तान में गृहयुद्ध छिड़ गया तो, इसके कारण शरण चाहने वालों को पाकिस्तान की ओर धकेला नहीं जाना चाहिए। एनएसए और पाकिस्तान की जासूसी एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के प्रमुख फैज हमीद ने अफगानिस्तान और द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा के लिए अमेरिका की यात्रा शुरू की है। हमीद ने जहां वाशिंगटन छोड़ दिया है, तो दूसरी ओर, यूसुफ अभी भी अमेरिका में है। तालिबान पर पाकिस्तान के संबंधों और प्रभाव के बारे में पूछे जाने पर यूसुफ ने कहा कि उनके पास न्यूनतम लाभ है। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान का समूह पर प्रभाव होता तो वे उन्हें 1990 के दशक में बामयान प्रांत में बुद्ध की मूर्तियों को नष्ट करने से रोकते। इससे पहले, पाकिस्तान के प्रधान मंत्री इमरान खान ने कहा था कि देश पहले से ही लगभग 30 लाख अफगान शरणार्थियों की मेजबानी कर रहा है और इसमें और अधिक स्वीकार करने की क्षमता नहीं है। रिपोटेंं में कहा गया है कि अफगानिस्तान के उत्तरी पड़ोसी ताजिकिस्तान ने 100,000 अफगान शरणार्थियों को स्वीकार करने की घोषणा की है, लेकिन लोगों को अनुमति देने के दौरान सतर्क रहने के लिए भी कहा है। साथ ही वह उन लोगों को शरण नहीं देगा जिन्होंने अमेरिका के साथ काम किया है। पाकिस्तानी अधिकारी मांग कर रहे हैं कि दुनिया अफगानिस्तान के अंदर शरणार्थियों के लिए व्यवस्था करे, इस डर के बीच कि तालिबान और सरकारी बलों के बीच लड़ाई तेज होने या गृहयुद्ध में बिगड़ने पर लाखों अफगान पड़ोसी देशों में भागने के लिए मजबूर हो सकते हैं। यूसुफ ने पहले वीओए साक्षात्कार के दौरान कहा था कि वास्तव में, हम और अधिक शरणार्थियों को स्वीकार करने की स्थिति में नहीं हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, लगभग 30 लाख अफगान

शरणार्थी, जिनमें से आधे गैर पंजीकृत हैं, 1979 में सोवियत संघ के अफगानिस्तान पर आक्रमण और बाद में हिंसा की लहरों और बाद में गृहयुद्ध के बाद से पाकिस्तान में रह रहे हैं।

केजरीवाल सरकार ने कोरोना के टीकाकरण में स्थापित किया माइलस्टोन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के कुशल नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने कोरोना के टीकाकरण अभियान में एक माइलस्टोन स्थापित करते हुए आज दिल्ली में एक करोड़ से अधिक टीके लगा दिए। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में टीकाकरण के लिए पात्र 1.5 करोड़ की आबादी में से करीब 50 फीसदी (74 लाख को) लोगों को कम से कम एक टीका लग चुका है, जबकि इन 74 लाख लोगों में से 26 लाख को दोनों टीके लग चुके हैं। सीएम ने कहा कि दिल्ली के पास रोजाना तीन लाख टीके लगाने की क्षमता है, लेकिन हमें पर्याप्त टीके नहीं मिल पा रहे हैं। मैं उम्मीद करता हूं कि जल्द ही केंद्र सरकार से दिल्ली और देश के बाकी हिस्सों को भी पर्याप्त मात्रा में टीके मिलने चालू हो जाएंगे। सीएम ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि अगर आपने अभी तक टीका नहीं लगवाया है, तो आप भी निकटतम टीकाकरण केंद्र में जाकर जरूर टीका लगवाइए। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में कोरोना के खिलाफ जो टीका लग रहा है, आज वह टीकाकरण कार्यक्रम एक महत्वपूर्ण माइलस्टोन को हासिल किया है। दिल्ली में आज 1 करोड़ से थोड़े ज्यादा कोरोना के टीके लग चुके हैं। जब से टीकाकरण कार्यक्रम शुरू हुआ है, तब से लेकर अब तक दिल्ली में एक करोड़ तक टीके लग चुके हैं। यह एक करोड़ टीके लगभग 74 लाख लोगों को लगे हैं। इन 74 लाख में से 26 लाख लोगों को दोनों टीके लग चुके हैं और बाकी लोगों को एक-एक टीका लगा। दिल्ली में मोटे-मोटे तौर पर दो करोड़ की जनसंख्या है, जिसमें से डेढ़ करोड़ लोग 18 वर्ष से ज्यादा उम्र के हैं, जो कि टीका लगवाने के लिए पात्र हैं। इन डेढ़ करोड़ लोगों में से लगभग 74 लाख लोगों को कम से कम एक टीका लग चुका है। इस तरह, दिल्ली में टीकाकरण के लिए पात्र कुल जनसंख्या में से करीब 50 फीसद आबादी को एक टीका लग चुका है और उसमें से 26 लाख लोगों को दोनों टीके लग चुके हैं।

सीएम केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में जितनी हमें वैक्सीन मिल रही है, उसके हिसाब से हमारे डॉक्टर्स, हमारे नर्सेज और हमारे टीका लगाने वाले स्टाफ रात-दिन मेहनत करके पूरी शिद्दत के साथ टीका लगा रहे हैं। साथ ही, दिल्ली की जनता में भी टीका लगवाने को लेकर बेहद उत्साह है। दिल्ली की जनता भी टीका लगवा रही है। मैं आज इस मौके पर उन सब लोगों को बधाई देना चाहता हूं, जो हमारा टीका लगाने वाला पूरा स्टाफ है, टीकाकरण का जो पूरा का पूरा इंफ्रास्ट्रक्चर है, उन लोगों ने जितनी शिद्दत के साथ काम किया, उनका शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। सीएम केजरीवाल ने कहा कि वैक्सीन की कमी की वजह से इसको हम अभी बढ़ा नहीं पा रहे हैं। दिल्ली में अभी लगभग 50, 60, 70 हजार टीके प्रतिदिन लग रहे हैं। इतने कम टीके इस वजह से लग रहे हैं, क्योंकि दिल्ली में वैक्सीन की बहुत ज्यादा कमी है। अगर हमें वैक्सीन पर्याप्त मात्रा में मिल जाए, तो आज हम दिल्ली के अंदर तीन लाख टीके प्रतिदिन लगाने की क्षमता रखते हैं, लेकिन हम उतने टीके लगा नहीं पा रहे हैं, क्योंकि टीके की कमी है। हम वैक्सीन को लेकर लगातार केंद्र सरकार के संपर्क में हैं। मैं उम्मीद करता हूं कि जल्द ही दिल्ली को भी और बाकी देश के हिस्सों को भी पर्याप्त मात्रा में टीके मिलने चालू होंगे। जैसे-जैसे हमें टीके मिल रहे हैं, हम लगाते जा रहे हैं। आज मुझे यह बताते हुए खुशी है कि दिल्ली में हम लोग एक करोड़ टीके लगा चुके हैं।

सीएम अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के लोगों को टीका लगवाने के लिए आगे आने की अपील करते हुए, कहा कि अगर आपने अभी तक टीका नहीं लगवाया है, तो आप भी जरूर निकटतम टीकाकरण केंद्र में जाकर टीका लगाइएगा। सीएम ने कहा कि एक तरह से हमारे पास दो चुनौतियां हैं। पहली चुनौती यह है कि दिल्ली में बाकी जो जनसंख्या बची है, जिनको अभी एक भी टीका नहीं लगा है, उनको टीका लगाना है। दूसरी चुनौती यह है कि अभी तक जिन लोगों को दूसरा टीका नहीं लग पाया है, उन सभी लोगों को दूसरा टीका लगाना है।

जीजा ने साले पर किया तलवार से जानलेवा हमला, पहुंचा जेल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नई दिल्ली में एक जीजा द्वारा साले पर तलवार से जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। इस हमले में साला गंभीर रुप से घायल हो गया है। फिलहाल उसे इलाज के लिये अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। वहीं, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर आरोपी जीजा को गिरफ्तार कर लिया। यह घटना तिलक नगर थाना इलाके की हैं, जहां आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे में पुरी वारदात कैद हो गई। घायल शख्स की उम्र 33 साल है और उस पर हमला करने वाले जीजा मंटेक सिंह की उम्र (53) है। दोनों परिवार तिलक नगर थाना इलाके में आसपास ही रहते हैं। घायल के बड़े भाई की ओर से पुलिस में मामला दर्ज कराया गया है।

इस मामले की जांच कर रही वेस्ट दिल्ली पुलिस ने बताया किघायल शख्स काफी दिनों से मानसिक रूप से परेशान चल रहे हैं। उनका इलाज भी चल रहा है। वह कई बार गली में किसी पर भी पत्थर फेंकने लगते हैं। कभी अपने कपड़े उतार देते हैं तो कभी किसी और तरह की अजीब हरकतें करते हैं। इसी तरह की हरकतें उन्होंने गुरुवार शाम को अपने जीजा के घर के बाहर पहुंचकर करनी शुरू कर दी। जीजा मंटेक सिंह बहुत गुस्से में आ गए। आरोप है कि उन्होंने अपने साले पर तलवार से हमला कर दिया। उनके शरीर में कई जगह वार किए गए। परिवार के लोगों ने घायल को पहले पास के एक अस्पताल में दाखिल कराया। वहां से उन्हें डीडीयू रेफर कर दिया गया। उसके बाद सफदरजंग हॉस्पिटल भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि आरोपी का भी इलाज चल रहा है।

दिल्ली के वजीराबाद में सड़क पर जलभराव के कारण गाड़ियां रेंगती हुई।

दिल्ली मेट्रो का ग्रे लाइन एक्सटेंशन और पिंक लाइन सेक्शन 6 अगस्त से होंगे शुरू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्लीवालों के लिए खुशखबरी है। दिल्ली मेट्रो की ग्रे लाइन का विस्तार कर बनाए गए नजफगढ़-ढांसा बस स्टैण्ड और त्रिलोकपुरी में पिंक लाइन कॉरिडोर के एक छोटे से खंड का छह अगस्त को उद्घाटन किया जाएगा। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने कहा कि केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इन दोनों खंडों का उद्घाटन करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि उद्घाटन समारोह छह अगस्त को सुबह ऑनलाइन होगा, जबकि यात्री

सेवाएं उसी दिन दोपहर तीन बजे से दोनों खंडों पर शुरू हो जाएंगी। अधिकारियों ने कहा कि लगभग एक किलोमीटर (891 मीटर) लंबा नजफगढ़-ढांसा बस स्टैंड खंड ग्रे लाइन को नजफगढ़ के अंदरूनी क्षेत्रों से जोड़ेगा। वहीं, मयूर विहार पॉकेट-1 और त्रिलोकपुरी संजय झील स्टेशनों के बीच लगभग 289 मीटर त्रिलोकपुरी खंड का उद्घाटन इस 59 किमी लंबी पिंक लाइन को पूरी तरह से जोड़ देगा और आनंद विहार रेलवे स्टेशन, आनंद विहार आईएसबीटी, निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन, साउथ एक्सटेंशन, आईएनए और लाजपत नगर मार्केट जैसे शहर के महत्वपूर्ण स्थलों को जोड़ेगा। पिंक लाइन 38 स्टेशनों तक फैली हुई है। हालांकि, पूर्वी दिल्ली के त्रिलोकपुरी इलाके में एक छोटा सा हिस्सा डीएमआरसी अधिकारियों के लिए लंबे समय से एक अड़चन साबित हुआ था, जिसके कारण वहां कुछ दूरी तक लाइन जुड़ने से रह गई थी। इन दोनों सेक्शंस के खुलने के साथ दिल्ली मेट्रो नेटवर्क 390 किलोमीटर लंबा हो जाएगा, जिसमें 286 स्टेशन होंगे।

राजधानी दिल्ली में पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 85 नए मामले सामने आए

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 85 नए मामले सामने आए हैं, जिसके बाद यहां संक्रमितों की संख्या बढ़ कर 14,36,350 हो गई है। वहीं इस दौरान एक और मरीज की मौत होने से कोरोना से मौत का कुल आंकड़ा 25,054 हो गया। इस दौरान 83 मरीजों को ठीक होने के बाद अस्पतालों से छुट्टी भी दे दी गई जिन्हें मिलाकर अब तक कुल 14,10,714 लोग ठीक हो चुके हैं।

पूरे देश की बात करें तो पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 41,831 नए मामले सामने आने से संक्रमितों की संख्या बढ़कर 3,16,55,824 हो गयी। वहीं टीके की खुराक ले चुके लोगों की संख्या 47 करोड़ को पार कर गई है। देश में संक्रमण से 541 और लोगों की जान जाने से मृतक संख्या 4,24,351 हो गयी है। उपचाराधीन मरीजों की संख्या में लगातार पांचवे दिन वृद्धि हुई है। इस बीमारी का इलाज करा रहे मरीजों की संख्या बढ़कर 4,10,952 हो गयी है।

दिल्ली में यमुना में जलस्तर फिर बढ़ा, 100 से अधिक परिवारों को सुरक्षित जगह पहुंचाया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली में यमुना नदी के तटीय इलाकों में लगातार बारिश के कारण यमुना में जलस्तर एक बार फिर बढ़ गया है और रविवार सुबह यह खतरे के निशान 205.33 मीटर से थोड़ा ही नीचे दर्ज किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यमुना के डूब वाले क्षेत्रों से 100 से अधिक परिवारों को कुछ दिनों के लिए ऊंचाई वाले इलाकों में पहुंचाया है। नदी के तटीय इलाकों में भारी बारिश के कारण जलस्तर खतरे के निशान 205.33 मीटर को पार कर जाने के बाद शुक्रवार को दिल्ली प्रशासन ने बाढ़ की चेतावनी जारी की थी और संवेदनशील जगहों से लोगों को निकालने का काम शुरू किया था। बाढ़ नियंत्रण कक्ष के अनुसार, सुबह नौ बजे पुराना रेलवे पुल पर जलस्तर 205.30 मीटर दर्ज किया गया। यमुना में शुक्रवार को जलस्तर खतरे के निशान के ऊपर चला गया था और रात नौ बजे तक यह 205.59 मीटर के स्तर तक पहुंच गया था। शनिवार शाम को जलस्तर 204.89 मीटर दर्ज किया गया था। हरियाणा द्वारा शुक्रवार को हथिनीकुंड

बैराज से और अधिक पानी छोड़े जाने के कारण दिल्ली पुलिस और पूर्वी दिल्ली जिला प्रशासन ने राजधानी में यमुना के डूब क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने का काम शुरू किया। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के एक अधिकारी ने बताया कि बाढ़ का खतरा बना हुआ है। हमने विभिन्न क्षेत्रों में नावों को तैनात किया है और संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों को अस्थायी रूप से दिल्ली सरकार के तंबू और आश्रय गृहों में ले जाया जा रहा है। यमुना में जलस्तर के खतरे के निशान 204.50 मीटर को पार करने पर बाढ़ की चेतावनी जारी की जाती है। दिल्ली बाढ़ नियंत्रण कक्ष ने सुबह नौ बजे हरियाणा के यमुनानगर जिले के हथिनीकुंड बैराज से 17,827 क्यूसेक पानी छोड़े जाने की सूचना दी। आमतौर पर हथिनीकुंड बैराज में प्रवाह दर 352 क्यूसेक होती है, लेकिन डूब वाले क्षेत्रों में भारी वर्षा के बाद पानी का प्रवाह बढ़ गया है। नदी में प्रवाह मंगलवार को 1.60 लाख क्यूसेक पहुंच गया था जो इस साल अब तक का सर्वाधिक है। बैराज से छोड़े गए पानी को राजधानी पहुंचने में आमतौर पर दो से तीन दिन लगते हैं। एक क्यूसेक 28.32 लीटर प्रति सेकेंड के बराबर होता है। मौसम विभाग के एक अधिकारी का कहना है कि अगले कुछ दिनों में उत्तर-पश्चिम भारत में मध्यम से भारी बारिश का पूर्वानुमान है, जिससे इस क्षेत्र से बहने वाली नदियों में जलस्तर बढ़ने की संभावना है। 2019 में प्रवाह दर 18-19 अगस्त को 8.28 लाख क्यूसेक तक पहुंच गई थी और यमुना का जलस्तर 205.33 मीटर के खतरे के निशान को पार करते हुए 206.60 मीटर के निशान पर पहुंच गया था। 1978 में नदी में जलस्तर अब तक के सर्वाधिक 207.49 मीटर तक पहुंच गया था। 2013 में जलस्तर 207.32 मीटर पहुंच गया था।

जिनको पूंजीपति खा रहे हैं, हम उन लोगों के लिए धरना दे रहे हैं : गुरनाम सिंह चढ़ूनी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्र के तीन नए कृषि कानूनों के विरोध में जारी किसानों के आंदोलन को लेकर भारतीय किसान यूनियन (चढ़ूनी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने कहा कि हमारा धरना अपने लिए नहीं बल्कि उन लोगों के लिए है जिन्हें पूंजीपति खा रहे हैं। किसान नेता ने कहा कि हम खुद के लिए नहीं बल्कि पूरे समाज के लिए धरनों पर बैठे हैं।

चढ़ूनी ने कहा कि हम आपस में लड़ने के लिए नहीं बैठे हैं बल्कि हम उन लोगों के लिए, धरनों पर बैठे हैं, जिनको पूंजीपति खा रहा है। खटकड़ टोल पर जारी किसानों के धरने को संबोधित करते हुए उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर हम आपस में लड़ पड़े तो वो हमें खा जाएंगे। चढ़ूनी ने कहा कि खटकड़ टोल का धरना पूरे हरियाणा में नंबर एक पर चल रहा है और यहां के धरने पर महिलाओं और युवाओं की भागीदारी बड़ी संख्या में हो रही है। गौरतलब है कि केंद्र के तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले प्रदर्शनकारी किसान पिछले साल 26 नवंबर से दिल्ली और हरियाणा की सीमाओं पर डेरा डाले हुए हैं। वे इन तीनों कानूनों को रद्द करने और फसल के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी देने के लिए एक नया कानून लाने की मांग कर रहे हैं। इन विवादास्पद कानूनों पर बने गतिरोध को लेकर हुई किसानों और सरकार के बीच कई दौर की वार्ता बेनतीजा रही। किसान इस मुद्दे पर सरकार के साथ आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर चुके हैं। किसानों ने सरकार से जल्द उनकी मांगें मानने की अपील की है। वहीं, सरकार की तरफ से यह साफ कर दिया गया है कि कानून वापस नहीं होगा। किसान बीते साल सितंबर महीने में बनाए गए तीन नए कृषि कानूनों - द प्रोड्यूसर्स ट्रेड एंड कॉमर्स (प्रमोशन एंड फैसिलिटेशन) एक्ट, 2020, द फार्मर्स (एम्पावरमेंट एंड प्रोटेक्शन) एग्रीमेंट ऑन प्राइस एश्योरेंस एंड फार्म सर्विसेज एक्ट, 2020 और द एसेंशियल कमोडिटीज (एमेंडमेंट) एक्ट, 2020 का विरोध कर रहे हैं। केन्द्र सरकार सितंबर में पारित किए तीन नए कृषि कानूनों को कृषि क्षेत्र में बड़े सुधार के तौर पर पेश कर रही है, वहीं प्रदर्शन कर रहे किसानों ने आशंका जताई है कि नए कानूनों से एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) और मंडी व्यवस्था खत्म हो जाएगी और वे बड़े कॉरपोरेट पर निर्भर हो जाएंगे।

भाजपा नेताओं ने बनाई आप सरकार के खिलाफ आंदोलन की रणनीति

नई दिल्ली । भाजपा के सभी 278 मंडलों की कार्यकारणी की बैठक रविवार को हुई जिसमें नगर निगम चुनाव की तैयारी और आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के खिलाफ आंदोलन की रणनीति बनाई गई। आने वाले दिनों में प्रत्येक विधानसभा में सरकार के खिलाफ कार्यकर्ता मोर्चा खोलेंगे। प्रदेश अध्यक्ष गुप्ता व अन्य नेताओं ने आप सरकार को सभी मोर्चों पर विफल बताया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जनता के बीच जाने का आह्वान किया। कार्यकारिणी में प्रस्ताव पास कर मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग की।

प्रदेश अध्यक्ष ने कृष्णा नगर मंडल व आया नगर मंडल में और नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी हरकेश नगर मंडल में आयोजित कार्यकारिणी की बैठक में शामिल हुए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कोरोना काल में बिजली के भारी भरकम बिल, जल संकट, बदहाल परिवहन व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवा का बुरा हाल आदि कमियों को लेकर जनता के बीच जाने की सलाह दी।

पुलिस बता रही है सुशील कुमार को इस कथित हत्या का मुख्य अपराधी और मास्टरमाइंड

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में हुई 23 वर्षीय पहलवान सागर राणा की हत्या के मामले में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच सोमवार को अपनी पहली चार्जशीट दायर कर सकती है। सूत्रों के अनुसार, पुलिस चार्जशीट में ओलंपिक पदक विजेता अंतर्राष्ट्रीय पहलवान सुशील कुमार समेत करीब 12 आरोपियों का जिक्र और 50 से ज्यादा गवाहों के नाम शामिल हैं। सुशील कुमार पर हत्या, गैर इरादतन हत्या और अपहरण के आरोप हैं। सुशील फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद हैं। जानकारी के अनुसार, छत्रसाल स्टेडियम में चार मई की रात दिल्ली में पहलवान सुशील और उसके साथियों ने कथित तौर पर एक फ्लैट से सागर राणा और उसके दोस्तों सोनू महाल और अमित कुमार का अपहरण कर छत्रसाल स्टेडियम ले जाकर बेरहमी से पिटाई की थी। इसमें सागर बुरी तरह घायल हो गया था और इलाज के दौरान सागर की मौत हो गई थी।

इस मामले में अब तक कुल 12 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस ने मौके से एक आरोपी प्रिंस को घटना वाले दिन ही दबोच लिया था, जबकि इसके बाद सुशील कुमार और अजय को स्पेशल सेल ने गिरफ्तार किया था। वहीं असौदा-बवाना गैंग के चार अन्य बदमाशों भूपेंद्र उर्फ भूपी, मोहित उर्फ भोली, गुलाब उर्फ पहलवान और मनजीत उर्फ चुन्नीलाल को गिरफ्तार किया था। फिर विरेंदर उर्फ विंदर और रोहित करोर को पुलिस ने दबोचा था। वहीं 11 जून को सोनीपत के अनिरुद्ध नाहरी नाम के एक पहलवान की गिरफ्तारी हुई। इस मामले में 11वें आरोपी जूडो कोच सुभाष को 15 जून को दबोचा गया, जबकि 26 जून को जूनियर पहलवान गौरव को गिरफ्तार किया गया। पुलिस सुशील कुमार को इस कथित हत्या का मुख्य अपराधी और मास्टरमाइंड बता रही है। पुलिस का कहना है कि उसके पास इलेक्ट्रॉनिक सबूत हैं जिसमें उन्हें और उनके साथियों को सागर को लाठी से पीटते देखा जा सकता है। सुशील कुमार को 23 मई को मुंडका इलाके से गिरफ्तार किया गया था। सुशील फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच छत्रसाल स्टेडियम में हुए विवाद से संबंधित मामले की जांच कर रही है।

यूपी के मथुरा, राजस्थान, पंजाब, मुंबई, मध्यप्रदेश, बिहार नेपाल में फरारी काट रहा था काला जठेड़ी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लंबे समय से फरार और इनामी कुख्यात अपराधी काला जठेड़ी और लेडी डॉन अनुराधा को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। काला जठेड़ी पर पुलिस ने सात लाख रुपये का इनाम रखा था। पुलिस को चकमा देकर बचने वाले काला जठेड़ी को पकड़ने के लिए पुलिस ने एक जाल बिछाया जिसमें वह फंस गया। पुलिस की स्पेशल सेल ने अपने मुखबिरों के जरिए, जेल तक एक मोबाइल पहुंचाया था जो काला की गिरफ्तारी के लिए चलाए गए ऑपरेशन का हिस्सा था। दरअसल, 600 शार्प शूटर्स की फौज वाला गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई तिहाड़ जेल में बंद है। बिश्नोई को मकोका के तहत गिरफ्तार कर स्पेशल सेल की काउंटर इंटेलिजेंस यूनिट ने अपनी रिमांड पर लिया था। तब बिश्नोई से काला को लेकर सख्ती से पूछताछ की गई पर, उसने अपना मुंह नहीं खोला। जिसके बाद स्पेशल सेल ने एक ट्रिक अपनाई। बिश्नोई की 20 दिन की कस्टडी खत्म होते ही वो जब वापस तिहाड़ जेल में शिफ्ट हुआ तो स्पेशल सेल ने अपने मुखबिरों के जरिये लारेंस बिश्नोई के पास जेल में एक मोबाइल पहुंचाया।

लारेंस बिश्नोई के पास जैसे ही जेल में मोबाइल फोन पहुंचा। उसने जेल के बाहर अपने गैंग मेंबर्स को फोन करना शुरू कर दिया। तभी बिश्नोई ने काला गैंग के बेहद करीबियों के जरिये काला से भी जेल के अंदर से ही बात की। स्पेशल सेल जो चाहती थी बिश्नोई ने वही गलती की। स्पेशल सेल ने एक महीने तक बिश्नोई के फोन कॉल्स पर नजर रखी और फिर वो वक्त भी आया जब तीन बार काला स्पेशल सेल के कब्जे में आते-आते रडार से बाहर हो गया। जैसे ही बिश्नोई ने जेल के अंदर से फिर से काला से बात की। सहारनपुर के अमानत ढाबे पर काला और रिवाल्वर रानी उर्फ लेडी डॉन अनुराधा को गिरफ्तार कर लिया गया।

स्पेशल सेल के मुताबिक साल 2020 फरवरी में फरीदाबाद पुलिस की कस्टडी से फरार होने के बाद काला जठेड़ी यूपी के मथुरा, राजस्थान, पंजाब, मुंबई, मध्यप्रदेश, बिहार नेपाल में छिपता रहा। फरारी के दौरान आनंदपाल के गैंग्स मेंबर और बिश्नोई के गुर्गे काला को फाइनेंशियल मदद और रुकने में मदद करवाते रहे। काला इतना बेखौफ था कि वो लगातार ठिकाने तो बदल रहा था और मोबाइल फोन, फेसबुक का भी इस्तेमाल कर रहा था। सागर पहलवान हत्याकांड से नाराज होने के चलते काला के निशाने पर सुशील कुमार और नीरज बवानिया गैंग मेंबर भी थे। इसी डर से सागर हत्याकांड के बाद पहलवान सुशील कुमार ने तीन बार बाकायदा काला को फोन कर माफी मांगी और समझौते की बात भी कही थी। बचपन में साधारण सी दिखने वाली ये लेडी डॉन पढ़ाई में अव्वल थी। लेकिन कम उम्र में ही अनुराधा के सिर से उसकी मां का साया उठ गया। इससे वो मजबूत बनती चली गई। पिता मजदूरी करते थे लेकिन इसने पढ़ाई की। बीसीए किया और फिर अपनी मर्जी से दीपक मिन्ज से शादी की। दोनों ने साथ मिलकर बिजनेस किया। बिजनेस में पैसा डूबने के बाद अनुराधा अपराध की तरफ बढ़ी जबकि दीपक ने पत्नी का साथ छोड़ दिया। कर्ज बढ़ने के साथ ही अनुराधा अपराध की तरह बढ़ती गई जिसके बाद वह आनंद पाल के संपर्क में आई और फिर मैडम मिंज के नाम से जुर्म की दुनिया में नई पहचान बना ली।

संपादकीय

मूल्यांकन से परिणाम

कोरोना महामारी से प्रभावित समय में आखिरकार केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने कक्षा 12वीं के परिणाम घोषित कर दिए। 12वीं पास करने वाले विद्यार्थियों के लिए यह भावनाओं का मिला-जुला अवसर होगा। ज्यादातर विद्यार्थी न तो स्कूल गए थे और न प्रत्यक्ष पढ़ाई ही की थी, इसके बावजूद वैकल्पिक मूल्यांकन पद्धति से जो परिणाम आए हैं, उनकी प्रशंसा करनी चाहिए। इस वर्ष 99.37 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए हैं। 99.67 प्रतिशत लड़कियां और 99.13 प्रतिशत लड़के सफल हुए हैं। इस बार भी लड़कियों ने लड़कों से बेहतर प्रदर्शन किया है। हालांकि उनमें अंतर ज्यादा नहीं है, लेकिन यह एक संकेत है कि जिन लड़कियों को मौका मिल रहा है, वे लड़कों से बेहतर पढ़ाई कर रही हैं। पढ़ाई के प्रति लड़कियों का लगाव कोई तुक्का नहीं है।

यह अपने आप में इतिहास है कि किन हालात में परिणाम आए हैं। देश भर में कोरोना संक्रमण में वृद्धि के चलते केंद्र सरकार द्वारा 12वीं की परीक्षा रद्द कर दी गई थी। बोर्ड ने बाद में 12वीं के मूल्यांकन का मानदंड तैयार करने के लिए 13 सदस्यीय समिति का गठन किया था। देश की सर्वोच्च अदालत को भी समाधान तलाशने के लिए आगे आना पड़ा था। देश में कई लोग प्रत्यक्ष परीक्षा कराने के पक्ष में थे, लेकिन अंतत- परीक्षा न कराने पर सहमति बनी और मूल्यांकन का पैमाना तय हुआ। अब यह हमेशा के लिए इतिहास में दर्ज हो गया है कि कोरोना महामारी के कारण सीबीएसई की 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं रद्द कर दी गई थीं और छात्रों का परिणाम मूल्यांकन फॉर्मूला से घोषित किया गया था।

वैसे संकट के समय भी परिणाम देखकर उत्साह बढ़ना लाजिमी है। 5.37 प्रतिशत छात्रों को 95 फीसदी से ज्यादा और 11.51 फीसदी छात्रों के 90 से 95 फीसदी के बीच अंक आए हैं। मतलब अपने देश में सौ में से 17 विद्यार्थी 90 प्रतिशत से ज्यादा अंक हासिल कर रहे हैं। संभावना है कि यदि प्रत्यक्ष परीक्षा हुई होती, तो 20 प्रतिशत से ज्यादा विद्यार्थियों को 90 प्रतिशत से ज्यादा अंक हासिल होते। खैर, इन परिणाम के बावजूद प्राइवेट व पत्राचार वाले छात्रों को तो 16 अगस्त से 15 सितंबर के बीच परीक्षा देनी पड़ेगी। कोरोना संकट के समय उन्हें ज्यादा नुकसान हुआ है। उन्हें किसी मूल्यांकन प्रक्रिया द्वारा पास करना आसान नहीं है। भविष्य के लिए यह एक संकेत है कि संकट के समय में स्वतंत्र रूप से या पत्राचार के जरिए पढ़ाई करने वालों को नुकसान होगा। इन परिणामों ने हमें बहुत सिखाया है। क्लास टेस्ट से लेकर सामान्य कक्षा परीक्षाओं में भी पूरे मनोयोग व मेहनत से प्रदर्शन करना चाहिए। भविष्य में जब भी ऐसे संकट के मौके आएंगे, तब किसी भी छात्र का मूल्यांकन उसके पिछले प्रदर्शन के आधार पर ही किया जाएगा। जो छात्र उत्तीर्ण हुए हैं, उन्हें आगे भी चुनौतियों का सामना करने के लिए दूसरे छात्रों की तुलना में ज्यादा मुस्तैद रहना पड़ेगा। इस बैच के छात्रों की किसी से तुलना तो नहीं होनी चाहिए, लेकिन होगी जरूर, अत: इस बैच के छात्रों को अतिरिक्त रूप से मेहनत करते हुए योग्यता के पैमाने पर खरा उतरना पड़ेगा। इन छात्रों के संरक्षण और शैक्षणिक विकास के लिए उच्च शिक्षण संस्थानों को भी सजग रहना होगा। मूल्यांकन के आधार पर परिणाम देने से ज्यादा महत्वपूर्ण है कि ऐसे छात्रों के लिए आगे की शिक्षा का मार्ग प्रशस्त किया जाए।

और मजबूत हुए रिश्ते

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन की पहली भारत यात्रा के दौरान आशंकाएं प्रकट की जा रही थीं कि लोकतांत्रिक मूल्यों, मानवाधिकारों और नागरिक स्वतंत्रता के मुद्दों पर दोनों देशों के बीच मतभेद उभर सकते हैंग लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर और ब्लिंकन के बीच अफगानिस्तान, इंडो-पैसिफिक, कोरोना महामारी सहित अन्य महह्मवपूर्ण मुद्दों पर सकारात्मक बातचीत हुई। हालांकि कुछ मुद्दों पर दोनों नेताओं के बीच मतभेद अवश्य थे, लेकिन कहा जा सकता है कि ब्लिंकन की भारत यात्रा से दोनों देशों के संबंध और मजबूत हुए। अच्छी बात है कि दोनों देश अफगानिस्तान को तालिबान के हवाले करने के विरुद्ध हैं। काबुल के बारे में भारत की मुख्य चिंता है कि वहां तालिबान के नेतृत्व में मजहबी शासन कायम न हो। विदेश मंत्री जयशंकर का स्पष्ट मत है कि अफगानिस्तान की समस्या का हल सैनिक कार्रवाई से नहीं निकल सकता। ब्लिंकन ने भारत के इस पक्ष का समर्थन करते हुए कहा कि तालिबान सैन्य संगठन के सत्ता में आने के बाद अफगानिस्तान अंतरराष्ट्रीय बिरादरी से अलग-थलग पड़ जाएगा। लेकिन ऐसा लगता है कि अफगानिस्तान के मुद्दे पर दोनों नेताओं के बीच कोई विशेष और ठोस बातचीत नहीं हुई। सच तो यह है कि बातचीत इस मुद्दे पर होनी चाहिए थी कि यदि तालिबान हथियार के बलबूते अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज होते हैंग तो उनको रोकने के लिए किस तरह की साझा रणनीति बनानी चाहिए। यह सवाल महह्मवपूर्ण है कि अगर दो दशक बाद अफगानिस्तान में फिर तालिबान का वर्चस्व स्थापित हो जाता है, क्या इसके लिए अमेरिका को कठघरे में नहीं खड़ा किया जाना चाहिए? बीस साल के बाद अमेरिका अफगानिस्तान से अल कायदा, तालिबान और इस्लामिक स्टेट जैसे जिहादी संगठनों को नष्ट नहीं कर सका। इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन की अति सक्रियता को रोकने के लिए क्वाड़ को लेकर भी दोनों नेताओं के बीच विमर्श हुआ। माना जा रहा है कि चीन की विस्तारवादी और साम्राज्यवादी नीति पर अंकुश लगाने के लिए क्वाड़ सकारात्मक पहल है। ब्लिंकन ने अपने भारत दौरे पर तिब्बत के आध्यात्मिक नेता दलाई लामा के प्रतिनिधियों से मुलाकात करके संकेत देने की कोशिश की है कि अमेरिका इस समुदाय को अपना समर्थन देता रहेगा। इस मुलाकात पर चीन ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आने वाले दिनों में अमेरिका की यात्रा पर जाने वाले हैं। उनकी यात्रा से दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी और मजबूत होगी।

प्रवीण कुमार सिंह

पर, आंकड़े कहां हैं!

अब बोलें शिकायती टट्टू। अब करें शिकायत कि मोदी जी तो सिर्फ अपने मन की बात सुनाते हैं। पब्लिक के मन की भी तो कभी सुनें। मोदी जी अब बाकायदा सुनकर दिखा रहे हैं। वोट वाली जिंदा पब्लिक की तो कोई भी सुन लेगाग मोदी जी आक्सीजन के लिए तड़प-तड़प कर जान देने वाले वोटमुक्त मुर्दे तक की सुनकर दिखा रहे हैं। संसद में बाकायदा इसका ऐलान कराने के बाद भी कि आक्सीजन की कमी से किसी की जान नहीं गई, मुर्दों का शोर सुनकर राज्यों से भी पुछवा रहे हैं कि मुदा कहीं सच तो नहीं बोल रहे हैं? आक्सीजन की कमी से सचमुच.? पर सरकार के संसद में बोलने के बादग मोदी जी के अब सुनने को राजी होने का मतलब यह हर्गिज नहीं है कि सरकार ने पहले जो संसद में बोला, गलत था। मोदी जी की सरकार हैग गलत कैसे हो सकती है! अगर कहा था कि आक्सीजन की कमी से कोई मौत नहीं हुई, तो नहीं हुई होगी। सरकार को पता है कि उसने जो कहा थाग वही सच है। सरकार को पता है कि जितनी बार भी पूछा जाए, उसे वही जवाब देना है। जो जवाब उसने पहले राज्यों से पूछे बिना दे दियाग अब राज्यों से पूछने के बाद वही जवाब दे देगी। मोदी जी की सरकार के जवाब नहीं बदला करते। जब किसान आंदोलन के आठ महीने बाद, कृषि कानूनों पर सरकार का जवाब नहीं बदला, तो आक्सीजन की कमी से मौतों पर जवाब कैसे बदल जाएगा; उसके लिए तो मुर्दों का कोई आंदोलन भी नहीं है! मोदी जी की उदारता है कि आक्सीजन वाले मुर्दों की भी सुन रहे हैं। आखिरग किसानों की भी तो सुनी ही थी। बस! सरकार का जवाब नहीं बदला। यह प्रचार इंटरनेशनल साजिश है कि मोदी जी सिर्फ अपने मन की सुनाते हैंग किसी और के मन की तो सुनते ही नहीं हैं! पेगासस-सरकार के पास कोई जानकारी नहीं है। आंदोलनकारी किसानों की मौत-जानकारी नहीं है। विदेशी बैंकों में जमा काला धन-जानकारी नहीं है। अब आक्सीजन की कमी से मौतें-जानकारी नहीं मिली। सरकार से सुनवाना ही है तो सुनवा लोग पर जवाब में यही शाश्वत सत्य सुनना पड़ेगा- जानकारी नहीं है। परग आंकड़े कहां हैं!

चीन-तालिबान की खतरनाक यारी

मुल्ला अब्दुल गनी बरादर के नेतृत्व में तालिबानी प्रतिनिधिमंडल से चीन के विदेश मंत्री वांग यी की मुलाकात चिंतित करने वाली है। तालिबानी नेताओं को दिए गए इस सम्मान के कई निहितार्थ हैं। इससे यह तो साफ हो गया है कि अमेरिका की वापसी के बाद चीन अफगानिस्तान में अपनी दखल बढ़ाने को लेकर गंभीर है। इससे उसके कई स्वार्थ पूरे होंगे। जैसे, अफगानिस्तान में मौजूद तांबा, कोयला, गैस, तेल आदि के अप्रयुक्त भंडारों तक वह अपनी पहुंच बना सकेगा। कुछ तेल क्षेत्रों के अलावा तांबे की एक बड़ी खदान वह पहले ही हासिल कर चुका है। फिर, जिन उइगर अलगाववादियों को वह अपना दुश्मन मानता है, उनके संगठन 'पूर्वी तुर्किस्तान इस्लामिक मूवमेंट' (ईटीआईएम) पर भी वह नकेल कस सकेगा। ईटीआईएम का चीन के शिनजियांग प्रांत में खासा असर है। दिक्कत यह है कि चीन का यह स्वार्थ बाकी दुनिया पर भारी पड़ सकता है। इस गठजोड़ का असर कई रूपों में विश्व व्यवस्था पर दिख सकता है।

चीन-तालिबान दोस्ती क्यों खतरनाक है, इसे जानने से पहले हमें चीन की फितरत समझनी होगी। चीन एको अहं, द्वितीयो नास्ति यानी सिर्फ मैं ही मैं सर्वत्र, दूसरा कोई नहीं की नीति पर चलता है। अपने मकसद को पूरा करना उसकी प्राथमिकता है। अगर कहीं भी उसे अपना हित सधता हुआ दिखे, तो वह न कोई कायदा-कानून मानता है, और ही न कोई व्यवस्था। 1980 के दशक से ऐसा ही होता आया है। मिसाल के तौर पर, पाकिस्तान आज बेशक अपने परमाणु एवं मिसाइल कार्यक्रम या सैटेलाइट तकनीक पर इतराए, लेकिन यह जगजाहिर है कि ये सारी सुविधाएं उसे चीन ने ही मुहैया कराई हैं, जबकि ऐसा करना अंतरराष्ट्रीय कानूनों के खिलाफ है और विश्व बिरादरी इसे गंभीर अपराध मानती है। फिर भी, चीन की सेहत पर इसका कोई फर्क नहीं पड़ा। उसने खुद तकनीक एवं प्रौद्योगिकी पश्चिमी देशों से चुराईं और आज उन्हीं को आंखें दिखा रहा है।

दक्षिण चीन सागर पर तो वह पूरी दुनिया से लड़ने-भिड़ने को तैयार है, जबकि श्रीलंका, बांग्लादेश जैसे कई देशों को अपने कर्ज के जाल में फंसाकर उन पर परोक्ष रूप से दबाव बना चुका है। इन्हीं उदाहरणों की अगली कड़ी है, प्रतिबंधित गुट तालिबान के साथ उसकी नजदीकी। चीन इसको अपने लिए फायदे का सौदा मान रहा होगा, मगर इसकी कीमत पूरी दुनिया को चुकानी पड़ सकती है।

> "यदि कोई शक्तिशाली देश अंतरराष्ट्रीय नियमों की अवहेलना करे, तो उस पर बंदिश शायद ही कारगर होती है।"

तालिबान का चरित्र किसी से छिपा नहीं है। संयुक्त राष्ट्र इसे एक प्रतिबंधित समूह मानता है। तालिबानी प्रवक्ता ने भले ही अफगानिस्तान के विकास-कार्यों के लिए वैश्विक समर्थन जुटाने की बात कही है, लेकिन अभी जिन इलाकों पर इसका कब्जा है, वहां विकास का पहिया फिर से रोक दिया गया है। स्कूलों को बंद कर दिया गया है और मानवाधिकारों का जमकर हनन हो रहा है। वहां विरोध करने वाली आवाजें खामोश की जा रही हैं। हकीकत बयान करने वाले पत्रकारों तक तो नहीं बख्शा जा रहा। खबर यह भी है कि पिछले दिनों जिस भारतीय पत्रकार दानिश सिद्दीकी की हिंसक संघर्ष में फंसने की वजह से मौत की बात कही जा रही थी, तालिबान ने उनकी पहचान करने के बाद बड़ी 'क्रूरता से हत्या' कर दी थी। ऐसे बर्बर गुट को चीन यूं ही शह नहीं दे रहा।

साल 2013 में शी जिनपिंग के राष्ट्रपति बनने के बाद से चीन का रवैया खासा आक्रामक हो गया है। घरेलू स्तर पर 'एक देश, दो व्यवस्था' नीति को खारिज करते हुए उसने 'वन चाइना पॉलिसी' अपनाई और हांगकांग की स्वायत्तता खत्म कर दी, तो ताइवान को वह लगातार आंखें दिखा रहा है। 'बेल्ट ऐंड रोड इनीशिएटिव' से वह करीब 70 देशों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में निवेश की राह पर है। उसकी मंशा पूरे एशिया क्षेत्र पर प्रभुत्व जमाने और अमेरिका की बराबरी करते हुए वैश्विक नेता बनने की है। चूंकि सैन्य ताकत और औद्योगिक उत्पादन के मामले में वह खासा असरदार है, इसलिए वह पूरी विश्व व्यवस्था को आंखें दिखाता रहता है। लेकिन इसी गुमान में वह कई देशों से विवाद भी मोल ले चुका है। चीन जानता है कि अफगानिस्तान में यदि वह प्रभाव जमा सका, तो उसे आर्थिक फायदा हो सकता है, जिससे 'सुपर पावर' बनने की उसकी राह आसान होगी, इसीलिए वह तालिबान को शह दे रहा है।

चीन और तालिबान के बीच बढ़ती नजदीकी किस करवट बैठेगी, यह तो आने वाला वक्त बताएगा, लेकिन यह हमारे लिए खतरा पैदा कर सकती है। चूंकि पाकिस्तान पहले से तालिबानी लड़ाकों का मददगार है, ऐसे में यदि चीन का साथ भी उनको मिल गया, तो ये लड़ाके और बर्बर हो सकते हैं। अभी तक तो अफगानिस्तान के महत्वपूर्ण इलाकों पर अफगान सुरक्षा बलों का नियंत्रण है, लेकिन चीन की शह तालिबानी लड़ाकों को उन इलाकों पर भी कब्जा करने के लिए उत्साहित करेगी। इससे अफगानिस्तान में किए गए भारतीय निवेश प्रभावित हो सकते हैं। फिर, अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट के आतंकी तालिबान की मदद करने के लिए अफगानिस्तान आ रहे हैं। दहशतगर्द समूहों का यह गठजोड़ अफगानिस्तान के पड़ोस के लिए ही नहीं, दुनिया के सभी अमनपसंद देशों के लिए चिंता की बात होनी चाहिए। ऐसे लड़ाकों को पाकिस्तान और चीन की दुरभिसंधि भारत के खिलाफ हमले के लिए उकसाएगी। यह गठजोड़ हमारी आंतरिक सुरक्षा के लिए काफी खतरनाक साबित होगा। इसे किस तरह रोका जाए? इसका फिलहाल कोई रास्ता नहीं दिख रहा। एक अंधेरी सुरंग है, जिसका दूसरा छोर सामने नहीं है। यदि कोई शक्तिशाली देश अंतरराष्ट्रीय नियमों की अवहेलना करे, तो उस पर बंदिश शायद ही कारगर होती है। कोई डर या खौफ उस देश को सही रास्ते पर नहीं ला सकता। चीन अब इतना मजबूत बन गया है कि उसे डराकर या धमकाकर कोई काम नहीं करवाया जा सकता। ऐसे में, बातचीत ही एकमात्र रास्ता है। मगर कोरोना वायरस की उत्पत्ति की जांच में बीजिंग ने जो बेशर्मी दिखाई है, उससे नहीं लगता कि वह फिलहाल समझने को तैयार है। लिहाजा, जब तक उसे खुद चोट नहीं लगेगी, वह नहीं संभलेगा। वैश्विक ताकत बनने का नशा उस पर इतना हावी हो चुका है कि उसे सही और गलत का बोध नहीं। इसलिए हमें अपनी सुरक्षा के लिए लीक से हटकर सोचना होगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

नैतिक मूल्यों का अतिक्रमण रोकना जरूरी

आधुनिक इंटरनेट सुविधा ने बहुपक्षीय प्रगति में भले ही नये आयाम स्थापित किए हों, किंतु इस सुविधा का ख़ासा दुरुपयोग भी चलन में आया है। जहां मनोरंजन क्षेत्र पहले की अपेक्षा अधिक व्यापक एवं सर्वसुलभ बना, वहीं दूसरी ओर लोगों के रूझान में भारी परिवर्तन देखा जा रहा है। अश्लीलता के प्रति बढ़ती रुचि, पोर्नोग्राफी के रूप में समस्त सीमाओं का अतिक्रमण करने पर आमादा है।

विश्वभर में पोर्नोग्राफी उद्योग एक बड़े व्यवसाय का आकार ले चुका है। वैश्विक स्तर पर संचालित पोर्नोग्राफी उद्योग से होने वाला अनुमानित मुनाफ़ा 100 बिलियन डॉलर से कहीं अधिक है। इस मामले में अमेरिका सबसे ऊपर है, व्यवसाय से प्राप्त लाभांश का लगभग 10 फीसदी यहीं से उपलब्ध होता है।

भारत की बात करें तो यहां पोर्नोग्राफी पूर्णत- प्रतिबंधित है। कानूनी तौर पर पोर्न फिल्में बनाना अथवा बेचना आईपीसी की धारा के तहत आपराधिक श्रेणी में आता है। हालांकि, व्यक्तिगत तौर पर अश्लील सामग्री देखना अपराध नहीं, किंतु किसी भी प्रकार की अश्लील सामग्री अन्यत्र प्रेषित करने, इलेक्ट्रोनिक ढंग अथवा किसी अन्य माध्यम द्वारा प्रकाशित-प्रसारित करने पर एंटी पोर्नोग्राफी लॉ लागू होता है। दरअसल, विचार निरन्तर प्रवाहित होने वाली प्रक्रिया है, जिनका निर्माण पूर्णत- मनन पर आधारित है। जो कुछ हम पढ़ते, देखते अथवा सुनते हैं वही मन-मस्तिष्क में संग्रहित होकर विचारों का रूप धारण करना आरम्भ कर देता है। पठन-पाठन, दृश्य-श्रव्य सामग्री के उच्च अथवा निम्न स्तर का व्यक्ति विशेष के विचारों पर गहरा प्रभाव पड़ता है। पोर्न सामग्री न केवल शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है बल्कि विद्रूप भावनाएं भड़काकर दुष्कर्म जैसे जघन्य अपराधों के लिए भी उकसाती है।

विशेषज्ञों के मतानुसार, नित्य प्रति बढ़ रहे यौन अपराधों में पोर्न सामग्री की उपलब्धता एक मुख्य कारण है। वर्ष 2018 में देहरादून दुष्कर्म मामले के आरोपी द्वारा उत्तराखंड हाईकोर्ट में, पोर्न फिल्म देखने के पश्चात ही आपराधिक कृत्य को अंजाम देने की बात स्वीकार की गई।

विषय की गंभीरता पर संज्ञान लेते हुए वर्ष 2018 में भारत के दूरसंचार विभाग ने देश में इंटरनेट सेवा उपलब्ध करवाने वाले सभी सेवा प्रदाताओं को 827 पोर्न वेबसाइट ब्लॉक करने के आदेश जारी किए। बावजूद इसके, विश्व भर में अश्लील सामग्री देखने वालों की संख्या में यू. एस. तथा यू.के. के पश्चात भारत का तीसरा स्थान रहा। निश्चय ही, देश के लिए यह चिंता का विषय है कि दुनिया की सबसे बड़ी पोर्न वेबसाइट मानी जाने वाली 'पोर्नहब' के अनुसार भारत उसका सबसे बड़ा बाज़ार है। 2018 की एक रिपोर्ट के अनुसार विश्व में पोर्न साइट पर विज़िट करने वाला व्यक्ति औसतन 10 मिनट पंद्रह सेकंड का समय व्यतीत करता है। लॉकडाउन के दौरान, भारत में वर्ष 2020 के अप्रैल माह में एडल्ट साइट्स पर किया जाने वाला सर्च बढ़कर 95 फीसदी हो गया।

सत्य तो यह है कि भारत में पोर्न उद्योग प्रतिबंधित होने पर भी बड़ी संख्या में चोरी-छिपे अश्लील फिल्में बनती हैं। मीडिया से प्राप्त जानकारी के अनुसार हाल ही में, कथित रूप से एक जाने-माने व्यवसायी द्वारा पोर्न फिल्में बनाकर 'हॉट शॉट' तथा 'हॉट हिट' एप्स के माध्यम से संचालित करने की की बात सामने आई। रिपोर्ट में 'हॉट शाट' एप पर उपलब्ध ग्राहक संख्या 20 लाख होने तथा लाइव शो के माध्यम से 1.85 लाख एवं फिल्मों के ज़रिए 4.53 लाख रुपये प्रतिदिन कमाने की बात भी कही गई। मुंबई के संयुक्त पुलिस आयुक्त मिलिंद भारंबे के अनुसार नवोदित अभिनेत्रियों को वेबसीरीज़ में प्रलोभन देकर ऑडिशन के लिए बुलाया जाता था। मामला अभी विचाराधीन है।

बेशक, भौतिकतावादी होने में कोई बुराई नहीं बशर्ते व्यक्तिगत लाभ कमाने हेतु नैतिक व सामाजिक मूल्यों का अतिक्रमण न हो। समाज में अश्लीलता का प्रचार-प्रसार करना तथा निज स्वार्थसिद्धि हेतु किसी प्रकार का प्रलोभन देते हुए अन्य लोगों को अनैतिक कार्यों के लिए उकसाना कदापि स्वीकार्य नहीं। किसी भी स्तर पर होने वाली अनैतिकता समाज व देश को पतन की ओर ले जाती है, सम्पूर्ण मानवता को जिसका भारी मूल्य चुकाना पड़ता है। प्रलोभन का शिकार बनने वाले युवा वर्ग को भी यह समझना होगा कि देह-प्रदर्शन सफलता की गारंटी नहीं।

स्मरण रहे, नैतिक मूल्य समाज रूपी विशाल वृक्ष का सुदृढ़ मूल है और पोर्न सामग्री उन्हें खोखला करने वाला घुन। मूल का क्षरण किसी भी समाज के लिए चिंता का विषय है और देश के लिए दुर्भाग्यपूर्ण। निश्चय ही, देश में पोर्नोग्राफी रोकने हेतु अविलंब कड़े क़दम उठाना एवं अपराधियों को दंडित करना सरकारों तथा न्यायपालिका का संयुक्त कर्तव्य है, किंतु पोर्न सामग्री के प्रसार पर यथासंभव रोक लगाकर, भारत के सांस्कृतिक गौरव की अमूल्य धरोहर को संभालने के लिए समाज को भी पहल करनी होगी।

प्रेमचंद: विखंड़नवादी विमर्श के शिकार

संत साहित्यकार, समाज-सुधारक या विविध क्षेत्र के मान्य महापुरुष किसी जाति-वर्ग या संप्रदाय विशेष का प्रतिनिधित्व नहीं करते। परंतु दुर्भाग्यपूर्ण है कि बौद्धिकता एवं वर्गीय-जातिगत चेतना के नाम पर तमाम साहित्यकारों-मनीषियों को भी संकीर्ण एवं संकुचित दायरे में आबद्ध किया जा रहा है। हिंदी कहानी एवं उपन्यास के शिखर-पुरुष मुंशी प्रेमचंद भी ऐसे विमर्श एवं विवेचना के शिकार हुए। उनकी जयंती पर विचार न्यायोचित होगा कि कथित बौद्धिकता एवं वर्गीय चेतना के नाम पर उनके सृजन एवं सरोकारों को लेकर चलने वाले खंड-खंड चिंतन पर हम अविलंब विराम लगाएं और उनके विपुल रचना-संसार को समग्रता में स्वीकार या आकलित-अवलोकित करें।

उनकी कतिपय कहानियों को आधार बनाकर उन्हें दलित विरोधी या ब्राह्मण विरोधी बतलाना, संप्रदाय-विशेष का पैरोकार या विरोधी सिद्ध करना सरासर अन्याय है। चाहे उनकी कहानी 'कफन', 'ठाकुर का कुंआ', 'पूस की रात', 'दूध का दाम', 'ईदगाह' या 'पंच परमेश्वर' हो, चाहे उनके उपन्यास 'रंगभूमि', 'कर्मभूमि', 'कायाकल्प' और 'गोदान' आदि-सभी में उन्होंने समाज के वंचित-शोषित-पीड़ित जनों के प्रति गहरी सहानुभूति प्रकट की है और न्याय, समता एवं भ्रातृत्व पर आधारित समाज-व्यवस्था की पैरवी की है। उनकी जिस यथार्थवादी रचना 'कफन' के पात्र 'घीसू' और 'माधो' की संवेदनहीनता और उसकी जाति के उल्लेख को आधार बनाकर जिन कथित दलित चिंतकों-विचारकों ने प्रेमचंद को दलित विरोधी करार दिया हैग उन्हें समझना-विचारना चाहिए कि उनकी इस कहानी का उद्देश्य ही समाज को यह समझाना है कि अभाव एवं गरीबी मनुष्य की सहज संवेदना को कुंठित और भोथरी कर देती है, वह अपनों के प्रति भी निर्मम और निष्ठुर हो उठता है। जाति विशेष की वेदना-व्यथा को संवेदना के धरातल पर अनुभूत करने के लिए जन्मना उसी जाति का होना अनिवार्य नहीं।

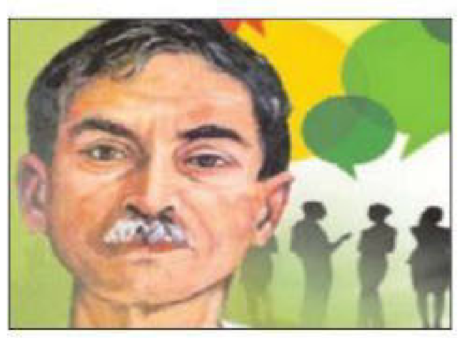

कहते हैं कि क्रौंच-युगल में से एक जब बाण से बिद्ध हुआ तो संसार के प्रथम कवि महतष वाल्मीकि के ङदय में जागृत करुणा से अनायास ही प्रथम श्लोक प्रस्फुटित हुआ। मनुष्य की संवेदना का विस्तार तो मूक-निरीह पशु-पक्षियों से लेकर संपूर्ण चराचर जगत तक होता है। फिर भला कैसे संभव है कि हाड़-मांस से बने अपने ही तरह के जातिइतर मनुष्यों की पीड़ा के प्रति वह संवेदनहीन बना रहे? साहित्यकार नग्न-से-नग्न सत्य को भी सौंदर्य में आवेष्टित कर प्रस्तुत करता है। अपने ढंग से 'सत्यम शिवम सुंदरम' की पुनः-पुनः स्थापना करता है। प्रेमचंद ने भी यही किया। उनकी कतिपय रचनाओं एवं देशकाल-परिस्थिति-पात्रगत प्रवृत्तियों एवं चित्रण को आधार बनाकर उन्हें इस या उस खेमे में बांटकर देखना उनके साहित्यिक अवदान को कम आंकना है। शास्त्रार्थ की सनातन परंपरा वाले देश में विमर्श और विश्लेषण तो अबाध जारी रहना चाहिए पर उसके मूल में जोड़ने का भाव व ध्येय होना चाहिएग न कि तोड़ने का।

और ऐसे तमाम प्रयासोंग आलोचनाओं या विमर्शों से प्रेमचंद की महत्ता या प्रासंगिकता कम नहीं हो जाती। उनका साहित्य अपने युग एवं समाज का प्रतिबिंब है। उनकी रचनाओं में जन-जन की पीड़ा व संघर्ष को वाणी मिली है। स्वराज और स्वाधीनता के महागाथाकार हैं। कथाकार होते हुए भी उनमें महाकाव्यात्मक चेतना के दर्शन होते हैं। देश, समाजग संस्कृति के सरोकारों से लेकर व्यक्ति-व्यक्ति की पीड़ा और अंतर्द्वंद्व को उन्होंने मुखिरत किया है। उनकी कथावस्तु, पात्र और संवाद हमें अपने जीवन से जुड़े जान पड़ते हैं। उनका राष्ट्र-भाव, संस्कृति-भाव, शोषण-दमन से मुक्ति-भाव, संप्रदायों में एकता-भाव, कृषि-संस्कृति, भारतीयता एवं लोक चेतना की रक्षा का भाव, उन्हें न केवल विशिष्ट बनाता है, अपितु कालजयी और जन-मन का सम्राट भी बनाता है। सर्व साधारण के प्रति उनकी घनीभूत संवेदना और करुणा मनुष्य को मनुष्य से जोड़ने का सफल सद्प्रयास है।

प्रसिद्ध साहित्यकार एवं समालोचक ड़ॉ. रामविलास शर्मा के शब्दों में-'प्रेमचंद वाल्मीकि, वेदव्यास, तुलसीदास की परंपरा में आते हैं, इसलिए उनका साहित्य भी इन महाकवियों के समान युगों-युगों तक सार्थक बना रहेगा और अपने समय के मनुष्य, समाज और देश की आत्मा का उन्नयन करता रहेगा, उसे अंधकार से प्रकाश की ओर लाता रहेगा और अपनी प्रासंगिकता को अखंड रूप में बनाए रखेगा क्योंकि मानवीय उत्कर्ष के अतिरिक्त साहित्य की अन्य कोई सार्थकता नहीं हो सकती।'

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

रायसेन: पत्नी से नाराज पति ने बेटे को उतारा मौत के घाट,आरोपी पिता गिरफ्तार

रायसेन। जिले के थाना सुल्तानपुर के तहत दियाबाडी गांव में रविवार की सुबह दिल दहलाने वाली वारदात घटित हुई । ग्रामीणजनों ने जब इस वारदात की बात सुनी स्तब्ध रह गए। सुल्तानपुर पुलिस ने आरोपी पिता रामकेश को हिरासत में ले लिया है। उसने अपना अपराध भी कबूल कर लिया है। सुल्तानपुर थाना पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक दियाबाडी गांव में रविवार को सुबह जब राजबाई अपने पति से नाराज होकर मायके चली गई। पति रामकेश उसे लेने के लिए ससुराल गया। तो उसका पत्नी राजबाई से फ्रि से विवाद हो गया। नाराज पति रामकेश ने कुल्हाडी मारकर अपने ही जिगर के टुकडे 8 वर्षीय पुत्र को मौत के घाट उतार दिया। बाद में सुल्तानपुर पुलिस ने आरोपी पिता रामकेश को गिरफ्तार कर मामले की विवेचना में जुट गई है। सुल्तानपुर पुलिस ने निर्दयी पिता रामकेश आरोपी के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया है।

नीमच: सीएसपी शुक्ल के 28 वर्षीय इकलौते पुत्र का हार्टअटैक से निधन

नीमच। नगर पुलिस अधीक्षक राकेश मोहन शुक्ल के इकलौते युवा पुत्र तन्मय (28) का रविवार शाम 5 :30 बजे हृदयघात से निधन हो गया है। तन्मय ने उज्जैन से लॉ (विधि) की शिक्षा ग्रहण कर डिग्री अर्जित की थी, आप होनहार छात्र थे। जो शिक्षा के बाद पिता के साथ नीमच ही रह रहे थे। सीएसपी शुक्ल की दो पुत्रियों के बीच एकमात्र तन्मय इकलौते पुत्र थे। जैसी प्रशासनिक अमले को इसकी खबर लगी सीएसपी बंगले पर कलेक्टर मयंक अग्रवाल, एसपी सूरज वर्मा, एडिशनल एसपी सुंदर सिंह कनेश, एसडीएम एमएल शाक्य तहसीलदार अजय हिंगे, आरआई, टी आई सहित पुलिस महकमे की टीम मौके पर पहुंच गई थी। कलेक्टर व एसपी सहित एडिशनल एसपी ने सीएसपी राकेश मोहन शुक्ल को ढांढस बंधवाया। ओर पुत्र तन्मय के निधन पर शोक व्यक्त कर इसे शुक्ल परिवार पर बड़ा व्रजपात बताया।

बड़वानी: दिल्ली स्पेशन सेल व कई मामलों में वांछित तस्कर को सेंधवा पुलिस ने पकड़ा

बड़वानी। जिले की सेंधवा ग्रामीण थाना पुलिस ने दिल्ली स्पेशल सेल और कर्नाटक समेत मप्र के कई थानों में वांछित हथियार निर्माता एवं तस्कर तनमन सिंह को गिरफ्तार किया है। एसपी निमिष अग्रवाल ने बताया कि कई मामलों में फरार आरोपी तनमन सिंह उर्फ बिट्टू निवासी उमरठी थाना वरला जिला बड़वानी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसे सेंधवा ग्रामीण थाना क्षेत्र से पंजाब तथा हरियाणा के कुख्यात बदमाशों को फरवरी 2020 में हथियार सप्लाई करने के मामले में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी पर दस हजार रुपए का इनाम घोषित था। उसके ग्राम बलवाड़ी में अपनी बहन के यहां छिपे होने की सूचना मिलने पर उसे वहां के बस स्टैंड से गिरफ्तार किया गया। तनमन सिंह उर्फ बिट्टू पर अवैध हथियार बनाने तथा सप्लाई करने के मामले में दिल्ली स्पेशल सेल में 4 अपराध, एक हत्या तथा हथियार सप्लाई के सिलसिले में कर्नाटक के बीजापुर ग्रामीण थाना क्षेत्र में दो अपराध, सेंधवा ग्रामीण थाना क्षेत्र में तीन अपराध दर्ज थे।

सिवनी: दुष्कर्म और हत्या के मामले में विचाराधीन कैदी ने लगाई फांसी

सिवनी। जिले की उपजेल लखनादौन में दुष्कर्म और हत्या के मामले में एक विचाराधीन कैदी ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी है। नगर निरीक्षक केएस मरावी ने बताया कि दुराचार व हत्या के मामले में लखनादौन उपजेल के विचाराधीन कैदी अर्जुन मर्सकोले (23) निवासी ग्राम सहसना थाना लखनादौन ने शनिवार की रात उपजेल में फांसी लगा ली। उस पर पांच वर्षीय एक बालिका के साथ दुराचार और हत्या का आरोप था। इस मामले में वह लखनादौन उपजेल में वर्ष 2020 बंद था। पुलिस ने मृतक का रविवार की सुबह पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस घटना की कर रही है। बताया है कि जब से विचाराधीन कैदी को उपजेल में लाया गया था,तभी से वह गुमशुम था। वह किसी से बात भी नहीं कर रहा था।

रायपुर: छत्तीसगढ़ में कोरोना संक्रमण की दर घटकर हुई 0.26 प्रतिशत

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कोरोना संक्रमण की दर घटकर कल 0.26 प्रतिशत पर पहुंच गई। राज्य के तीन जिलों में कोविड-19 का कोई नया मरीज नहीं मिला। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के 30 जुलाई को संक्रमण की दर घटकर 0.29 प्रतिशत पर पहुंचने के बाद 31 जुलाई को इसमें और गिरावट आई और संक्रमण की दर 0.26 प्रतिशत पर पहुंच गई । राज्य के तीन जिलों बेमेतरा, कबीरधाम और गरियाबंद में कोविड-19 का कोई नया मरीज नहीं मिला। इस दौरान कोविड-19 से एक व्यक्ति की मृत्यु हुई है। राज्य में 30 जुलाई को 42 हजार 714 सैंपलों की जांच में 125 और 31 जुलाई को 38 हजार 644 सैंपलों की जांच में 102 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए। कोरोना मरीजों के स्वस्थ होने और रोज कम संख्या में नए मरीज मिलने के कारण कोविड-19 के सक्रिय मामले भी तेजी से घट रहे हैं। राज्य में अभी सक्रिय मरीजों की संख्या 1863 है। प्रदेश में कोरोना संक्रमितों की पहचान के लिए अब तक एक करोड़ 13 लाख 94 हजार 233 सैंपलों की जांच की गई है।

उत्तर-पूर्वी प्रदेश में मूसलाधार वर्षा, रीवा से 20 से अधिक गांवों का टूटा संपर्क

मंदाकिनी उफान पर, चित्रकूट में घाट डूबे

भोपाल (एजेंसी)।

उत्तर-पूर्वी प्रदेश के रीवा, सिंगरौली, सतना समेत गुना, श्योपुर,में तेज बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं। रीवा जिले में मूसलाधार वर्षा से 20 से अधिक गांवों का संपर्क कट गया है वहीं सतना जिले के नयागांव थाना क्षेत्र में मंदाकिनी नदी का पानी खतरे के निशान को पार कर गया है और चित्रकूट से सभी घाट पानी में डूबे हुए हैं। यहाँ पिछले 24 घंटों से हो रही बारिश के चलते जिले में बाढ़ के हालात बन गए। वहीं, गुना जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पानी भर गया है। सोहागी पहाड़ में भूस्खलन भी हुआ।

रीवा जिले में लगातार हो बारिश के चलते जिले की प्रमुख नदिया बिछिया, बीहर और टमस नदी उफान पर बह रही हैं, विगत तीन दिनों से हो रही झमाझम बारिश ने लोगों की मुसीबतें बढ़ा दी हैं, जिसके कारण अब बारिश के पानी से नदी और नाले उफान पर हैं, त्योंथर में टमस नदी उफान पर है। इसके अलावा वहां एक नाले में बना पुल डूब गया है, जिससे नदियों का पानी छोटे-छोटे गांवों तथा शहरों तक पहुंच रहा है, जिससे तकरीबन 20 गांव का संपर्क भी मुख्य सड़क से टूट चुका है। इसके अलावा तेज बारिश के चलते सोहागी पहाड़ में भूस्खलन की स्थिति तक निर्मित हो गई है। जिले में स्थित बकिया बराज के 12 गेट को खोल दिए गए हैं।

निचले इलाकों और दुकानों में भरा पानी

दो दिनों से जारी भारी बारिश के कारण सतना में नदी नाले उफान पर हैं। निचले इलाकों में पानी भर गया है तो ग्रामीण क्षेत्रों में खेत, खलिहान डूब गए हैं। जिले के चित्रकूट, बिरसिंहपुर, सभापुर, कोटर, मुकुंदपुर में पुल पुलियों के ऊपर से पानी बह रहा है। इसे देखते हुए जिले में प्रशासन अलर्ट पर है वहीं डूब प्रभावित क्षेत्रों में पुलिस भी तैनात कर दी गई है। सतना से ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ने वाले कई मार्गों में पानी भर जाने से पुलिस ने बैरिकेडिंग कर मार्ग बंद कर दिए हैं। वहीं चित्रकूट में मंदाकिनी उफान पर आ गई है जिससे घाट डूब गए हैं और दुकानों व मकानों में भी पानी भर गया है।

सड़कों तक मंदाकिनी का पानी

चित्रकूट में भरत घाट, आरोग्यधाम घाट पर पुलिस बल तैनात है। यहां सड़कों तक मंदाकिनी का पानी आ गया है और दुकानों में प्रवेश कर गया है। इसी तरह सभापुर सेमरिया रोड़ मऊ नदी में पूल से 5-6 फिट ऊपर पानी चल रहा है। थाना सभापुर के अंतर्गत बिरसिंहपुर सिमरिया मार्ग के बीच में ग्राम झोटा के पास मऊ नदी का जल स्तर ब्रिज से ऊपर आ गया है। थाना ताला अंतर्गत मुकुंदपुर के पास मुर्जुआ नाला गऊ घाट में रपटा के उपर पानी बह रहा है। जहां आवागमन बंद कर दिया गया है और दोनों तरफ पुलिस बल लगा है। जिगनाहट नदी रपटा को सुरक्षा की दृष्टि से दोनों तरफ से बंद किया गया है।

125 गांवों से कटा गुना जिले का संपर्क

गुना। जिले में पिछले 35 घंटे से हो रही बारिश से नदी और नाले उफान पर हैं। बमोरी जनपद की 11 नदियों का पानी पुल के ऊपर पिछले 24 घंटे से बह रहा है, जिससे 125 गांवों का तहसील व जिला मुख्यालय से संपर्क कट गया। हालात यह कि मगरोड़ा नदी के पुल पर बनी सीमेंट और कांक्रीट की सड़क बह गई। परवाह, खडेला, नेगमा, नौनेरा, कोहन नदी के पुल के ऊपर से 24 घंटे से ऊपर पानी बह रहा है। बमोरी और फतेहगढ़ क्षेत्र में लगातार बारिश की वजह से नदी-नाले उफान पर रहे। नदियों के किनारे वाले ग्रामों में जिला प्रशासन ने कोटवारों के माध्यम से मुनादी कराई। उधर, सोड़ा गांव भी पार्वती नदी के उफान की वजह से घिर गया। यह गांव शुक्रवार और शनिवार को टापू में तब्दील हो गया।

वृहस्पति कुण्ड में कार बही, सात पर्यटकों की जान बची

पन्ना। बारिश के मौसम में जिले के बृजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बाघिन नदी पर बने बृहस्पति कुंड की भव्यता को निहारने पहुंचे सात पर्यटकों की जान मुश्किल में पड़ गई। छतरपुर जिले के नौगांव निवासी यशवंत सिंह यादव का परिवार दो वाहनों में सवार होकर वृहस्पति कुंड को निहारने पहुंचा था। लेकिन यहां बाघिन नदी के पुल पर अति उत्साह में कार उतार दी और उनकी एक कार नदी के बहाव में फंस कर बहती चली गई। इसी बीच नदी की धारा से कार पास ही अटक गई और दूसरी कार में सवार अन्य साथियों ने कार से लोगों को निकाल कर उनकी जान बचाई। बताया जाता है कि उक्त कार में 5 महिलाओं सहित 2 पुरूष व एक मासूम बच्ची सवार थी।

रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी

मौसम विभाग ने भारी से भारी बारिश को लेकर सतना, गुना, श्योपुर, छतरपुर, टीकमगढ़ जिलो में रेड अलर्ट जारी किया है। भारी से अति भारी बारिश को लेकर शहडोल संभाग के जिलों में रीवा, सीधी, सिंगरौली, पन्ना, दमोह, सागर, नीमच, मंदसौर, अशोकनगर, शिवपुरी ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

आज चंद्रमौलीश्वर स्वरूप में देंगे दर्शन महाकालेश्वर

उज्जैन। उज्जैन में भगवान श्री महाकालेश्वर की श्रावण-भाद्रपद माह में निकलने वाली सवारियों के क्रम में श्रावण माह के दूसरे सोमवार को श्री महाकालेश्वर भगवान श्री चन्द्रहमौलीश्वर के स्वरूप में रजत की पालकी में विराजित होकर नगर भ्रमण पर निकलेंगे। साथ ही श्री मनमहेश हाथी पर विराजित होकर भक्तों को दर्शन देंगे।

श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष एवं कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि श्रावण 2 अगस्त को दूसरे सोमवार के मौके पर सवारी नगर भ्रमण पर निकलने के पूर्व भगवान श्री महाकालेश्वर के श्री चन्द्रेमौलीश्वर और श्री मनमहेश स्वरूप का मंदिर स्थित सभामंडप में विधिवत पूजन-अर्चन किया जायेगा। उसके पश्चात् भगवान पालकी में विराजित होकर अपनी प्रजा को दर्शन देने के लिये नगर भ्रमण के लिए प्रस्थान करेंगे।उन्होंने बताया कि मुख्य द्वार पर सशस्त्र पुलिस बल के जवानों द्वारा भगवान को सलामी (गॉड ऑफ ऑनर) दिया जायेगा। उसके पश्चात सवारी बडा गणेश मंदिर के सामने से होते हुए हरसिद्धि मंदिर के समीप से नृसिंह घाट रोड पर सिद्धआश्रम के सामने से होते हुए क्षिप्रातट रामघाट पहुंचेगी।

शीघ्र दर्शन व्यवस्था बंद रहेगी

उज्जैन। महाकालेश्वर मंदिर में शीघ्र दर्शन व्यवस्था बंद रहेगी केवल प्री बुकिंग वाले ही दर्शन लाभ ले सकेंगे। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष एवं कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि श्रावण माह के प्रत्येक सोमवार को प्रातः 05 से दोपहर 01 बजे तक और सायं 07 से रात्रि 09 बजे तक श्री महाकालेश्वर भगवान के सामान्य दर्शन प्रीबुकिंग के माध्यम से ही होंगे। श्रद्धालु प्रीबुकिंग कराकर कोविड प्रोटोकॉल के तहत वैक्सिनेशन सर्टिफिकेट या 48 घंटे पूर्व की कोविड नेगेटिव रिपोर्ट साथ लाकर निर्धारित दर्शन स्लॉट में ही दर्शन के लिए आयें। बिना बुकिंग के दर्शन की अनुमति नहीं दी जा सकेगी। सोमवार के दिन 250/- शीघ्र दर्शन टिकिट काउन्टर दोनों समय बंद रहेंगे।

रैलिंग से टकराकर 50 मीटर घिसटते हुए पलटी बस,13 घायल,तीन गंभीर

विदिशा, (एजेंसी)। रविवार की सुबह करीब 5:45 बजे हिरनई गांव के पास हाईवे पर इंदौर से सागर तरफ जा रही स्लीपर बस हाईवे की रेलिंग से टकराकर पलटने के बाद करीब 50 मीटर तक घिसटती चली गई।

जानकारी के मुताबिक बस का ड्राइवर नशे में था जिसे अंधेरा होने के कारण हिरनई गांव के पास हाईवे पर बना टर्न नजर नहीं आया और यह हादसा हो गया। यातायात पुलिस के आशीष राय ने बताया कि बस में करीब 20 से 25 लोग सवार थे। जिसमें से 13 यात्री घायल हुए हैं। 3 यात्री बुरी तरह जख्मी हो गए हैं। जिन्हें भोपाल रेफर किया गया है। घटना की जानकारी लगते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा। इस हादसे में बस में सवार अन्य लोगों को भी चोटें आई हैं। हादसे के बाद मौके पर जेसीबी को बुलवाया गया जिसने बस को खींचकर साइड में कर दिया है। सिविल लाइन टीआई कमलेश सोनी का कहना है कि बस चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है पूछताछ की जा रही है। नेशनल हाईवे बायपास पर हुए इस हादसे में घायल लोगों ने बताया कि बस ड्राइवर लापरवाही से बस चला रहा था। जिसके चलते तेज रफ्तार बस रेलिंग से टकराकर पलट गई। बस चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है जो मेडिकल कराने के लिए भेजा गया है।

अशोकनगर में 45 किलो चांदी ले गए बदमाश

थाने से 50 मीटर दूर सराफा दुकान में वारदात, पुलिस अनजान

अशोकनगर, (एजेंसी)। जिले के नईसरांय क्षेत्र में बदमाशों ने लगभग 45 किलो चांदी पर हाथ साफ कर दिया। मगर घर से करीब 50 मीटर दूर पुलिस थाने में मौजूद पुलिसकर्मियों को इनकी भनक तक नहीं लगी। पुलिस के मुताबिक फरियादी रितेश सोनी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि एक अगस्त की रात लगभग 12 से पौने तीन बजे के बीच घर से अज्ञात चोरों द्वारा चार बैगों में रखे करीब 45 किलो चांदी के जेवर जिनकी कीमत करीब 18.19 लाख रुपए है, चोरी कर ले गए। रिपोर्ट के बाद पुलिस ने अपराध क्रमांक 122/21 धारा 457ए 380 भादवि कायम कर विवेचना में लिया गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक अशोकनगर रघुवंश सिंह भदौरिया एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अशोकनगर ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। फरियादी के घर एवं आसपास तथा टोल प्लाजा के सीसीटीवी फुटेज की सूक्ष्मता से जांच की जा रही है।

जानकारी के अनुसार अनिल सोनी का सोने का कारोबार है, जबकि रितेश सोनी का चांदी का कारोबार है। गुना में भी इनकी दुकान राधा ज्वैलर्स के नाम से संचालित है। बताया है कि घर के बाहर एक खाली ट्रांसफार्मर सड़क पर रखा है। इसमें बिजली की लाइन नहीं जुड़ी है। इसी ट्रांसफार्मर के सहारे बदमाश घर में दाखिल हुए। कुछ जगह पर लगे सीसीटीवी कैमरों में यह बदमाश कैद हुए हैं। शेष कैमरों को इन्होंने पर्दा या अन्य कपड़े से ढंक दिया। घर में ही नीचे सराफा की दुकान भी है।

वृद्धा को बंधक बनाकर की मारपीट

बदमाशों ने पहले तो दुकान व अन्य कमरों को खंगाला, जब उनके हाथ यहां से कुछ नहीं लगा, तो नीचे अपने कमरे में सो रहीं रितेश सोनी की 55 वर्षीय मां शारदा देवी के कमरे की कुंदी बजाई। घर के अन्य सदस्य ऊपरी मंजिल पर सो रहे थे। शारदा देवी के पास ही घर के बाकी कमरों में लगे ताले की चाबी थी। इन्होंने जैसे ही कुंदी खोली, तो बदमाशों ने इनसे चाबी ले ली और मारपीट भी की। इतना ही नहीं, वृद्धा को बंधक बना लिया। शारदा देवी के कमरे में ही चार थैलों में भरी चांदी रखी थी। इसके अलावा 10 से 12 हजार रुपए की नगदी थी। बदमाश इसे उठाकर ले गए। रितेश सोनी ने बताया कि बदमाश 20 लाख रुपए से अधिक का माल ले गए हैं।

प्रदेश के हितग्राहियों से सीएम करेंगे संवाद, पीएम मोदी भी जुड़ेंगे

पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना कार्यक्रम सात को

भोपाल, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना कार्यक्रम आगामी सात अगस्त को प्रदेश की सभी 25 हजार 435 उचित मूल्य दुकानों पर होगा। गरिमामय कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हितग्राहियों से वर्चुअल संवाद कर संबोधित भी करेंगे। प्रत्येक दुकान पर सोशल डिस्टेंसिंग के साथ प्रति दुकान 100 हितग्राहियों को बैग में राशन सामग्री का वितरण किया जाएगा। हितग्राहियों को एक दिन पूर्व निमंत्रण भी दिया जाएगा। कार्यक्रम स्थल पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि 07 अगस्त को सुबह 11 बजे प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअली जुड़ेंगे। उन्होंने कहा कि अन्न योजना कार्यक्रम में सभी जन-प्रतिनिधियों की भागीदारी भी सुनिश्चित होगी। मंत्री, सांसद और विधायक अपने-अपने क्षेत्र में कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। प्रत्येक जिले में कार्यक्रम की व्यवस्था के लिए एक-एक आईएएस अधिकारी को प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है।प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना कार्यक्रम में प्रत्येक उचित मूल्य दुकान के लिए नोडल अधिकारी जिला कलेक्टर द्वारा नियुक्त किया जाएगा, जो कार्यक्रम की तैयारी एवं आयोजन की व्यवस्था देखेंगे। नोडल अधिकारी उन्हें आवंटित दुकान पर सभी तैयारियों की रिपोर्ट जिले में स्थापित कंट्रोल रूम को देंगे।

ग्वालियर में शराब की अवैध फैक्टरी पर पुलिस की रेड

1300 भरे क्वाटर, 900 खाली क्वाटर बरामद

ग्वालियर, (एजेंसी)। पुरानी छावनी थाना पुलिस द्वारा दी गई रेड में एक अवैध शराब फैक्टरी का भांडाफोड़ हुआ है। पुलिस की दबिश में अवैध शराब बनाने की मशीन, रैपर, ओपी, खाली व भरे क्वाटर मिले हैं। फिलहाल फैक्टरी का संचालक फरार हो गया है, लेकिन पुलिस का दावा है कि उसे सुबह तक गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पुलिस के अनुसार स्टॉन पार्क के पास शिवम अग्रवाल निवासी सूरज नगर बहोड़ापुर अवैध शराब की फैक्ट्री का संचालन करता है। यह सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर दबिश दी। दबिश के दौरान पुलिस को मौके से 1300 भरे क्वाटर, 900 खाली क्वाटर व 25 लीटर ओपी बरामद हुई। पुलिस ने मौके से शराब के क्वाटर पैक करने वाली मशीन भी पकड़ी है। अब पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

जानवरों का शिकार करने वाली मादा तेंदुआ पिंजरे में कैद

बड़वानी , (एजेंसी)। जिले के पानसेमल वन मंडल क्षेत्र में जानवरों का शिकार करने वाली मादा तेंदुआ को रविवार को पिंजरे में कैद कर लिया गया।

वन मंडलाधिकारी डॉ अनुपम सहाय ने बताया कि करीब डेढ़ वर्ष उम्र की मादा तेंदुआ को रविवार को पानसेमल वन मंडल के बेड़िया ग्राम में संजू मारवाड़ी के खेत में स्थापित पिंजरे में कैद कर लिया गया। उन्होंने बताया कि विभिन्न जानवरों के शिकार करने की शिकायत मिलने पर वहां पिंजरा स्थापित किया गया था। उन्होंने बताया कि मादा तेंदुए के अगले दाहिने पैर तथा पूंछ में चोट पाये जाने के चलते पशु चिकित्सकों ने बेहतर केंद्र पर उसके इलाज की सलाह दी। जिसके चलते उसे शाम को इंदौर के कमला नेहरू प्राणी संग्रहालय को सौंप दिया गया है। उन्होंने बताया कि फिलहाल यह पता नहीं चल सका है कि मादा तेंदुआ पूर्व से घायल थी अथवा पिंजरे में आक्रामक होने के चलते घायल हुई है।

चोरी की बस और ट्रक के 26 इंजन दो चेसिस जब्त, कीमत 25 लाख

जबलपुर पुलिस व क्राइम ब्रांच की संयुक्त कार्रवाई

जबलपुर (एजेंसी)।

पुलिस के अनुसार क्राइम ब्रांच को मुखबिर से सूचना मिली कि ट्रांसपोर्ट नगर करोंदा नाला बाइपास पर नफीस खान निवासी करमचंद चौक का गोदाम है। गोदाम में काफी तादाद में ट्रक एवं बस को खुर्दबुर्द कर उनके इंजन रखे हुए हैं, जो सम्भवतः चोरी के वाहनों के हैं। सूचना पर क्राइम ब्रांच एवं अधारताल पुलिस टीम द्वारा संयुक्त रूप से दबिश दी गई।

गोदाम मे मौजूद नफीस खान को सूचना से अवगत कराते हुए गोदाम की तलाश ली गयी तो गोदाम में बस एवं ट्रक के 26 इंजन तथा 2 चेचिस कीमती 25 लाख रुपए के रखे हुए मिले, जिनके सम्बंध मे पूछताछ करने पर नफीस खान कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। नफीस खान के कब्जे से उपरोक्त 26 इंजन एवं 2 चेचिस चोरी के होने के संदेह मे जप्त करते हुये नफीस खान को अभिरक्षा में लिया गया।

इस कार्रवाई में पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ बहुगुणा द्वारा जारी आदेश के परिपालन में अति.पुलिस अधीक्षक शहर रोहित काशवानी एवं अति. पुलिस अधीक्षक शहर दक्षिण, अपराध गोपाल प्रसाद खाण्डेल तथा नगर पुलिसअधीक्षक अधारताल प्रियंका करचाम के मार्ग दर्शन में क्राइम ब्रांच एवं थाना अधारताल की टीम द्वारा ट्रांसपोर्ट नगर करोंदा नाला बाइपास में नफीस खान के गोदाम में दबिश दी गई।

फॉलोअप भिंड जेल हादसे की जांच के बाद गाज गिरना हो गया शुरू, दो अफसरों पर कार्रवाई

जेल की अनेदखी करने वाले पीडब्ल्यूडी के कार्यपालन यंत्री सस्पेंड

भिंड (एजेंसी)।

जर्जर जिला उपजेल की बरसात के कारण दीवार गिरने से हुए हादसे में लापरवाही बरतने वाले लोक निर्माण विभाग के दो अफसरों पर कार्रवाई हुई है। शनिवार को कार्यपालन यंत्री को सस्पेंड किए जाने के आदेश निकले हैं। वहीं एसडीओ को कुर्सी छोड़ने के लिए चीफ इंजीनियर पीडब्ल्यूडी ने बोल दिया है।

जर्जर जेल के संबंध में जेलर ओपी पांडेय पीडब्ल्यूडी विभाग को पत्र लिखा जिसके बाद भी मरम्मत कराने के लिए लापरवाही बरती गई। घटना में पीडब्ल्यूडी अफसरों की अनदेखी मानी जा रही है, क्योंकि इन अफसरों द्वारा जेल खाली कराए जाने का एक भी बार पत्र व्यवहार अब तक नहीं किया गया। जब इस मामले में सबसे पहली जिम्मेदारी पीडब्ल्यूडी की मानी जाती है, क्योंकि एसडीओ द्वारा ही बिल्डिंग की फिजिकल फिटनेस की रिपोर्ट तैयार की जाती है। अगर समय रहते ध्यान दिया होता हादसा टल सकता था, लेकिन सभी ने लापरवाही दिखाई जिसके चलते लोक निर्माण विभाग के एसडीओ बोले मुझे तो हटा दिया गया।

ईई का चार्ज एसई को दिया

इधर पीडब्ल्यूडी विभाग के ईई केके शर्मा पर भी गाज गिरी है। यह कार्रवाई शनिवार को होना बताई जा रही है। हालांकि शाम तक विभाग में कोई पत्र नहीं आया। परंतु ईई शर्मा को हटाकर एसई एसके जैन को प्रभार दिया गया है।

इनका कहना

उपजेल गिरने के मामले की जांच कराई जा रही है। यदि कोई अफसर दोषी है तो उसके खिलाफकानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आरएल भारती, चीफइंजीनियर पीडब्ल्यूडी विभाग

पांच साल से रिस रही थी जेल दीवार

जेल की दीवारें और छतों से पांच साल से हो रहा था पानी का रिसाव। पांच साल से बारिश के सीजन में जेल की दीवारें और छतों से पानी का रिसाव होता। जेल विभाग के अफसर मरम्मत कराए जाने को लेकर पत्र हर साल बारिश के सीजन के लिखते थे। इस बार भी बारिश के सीजन में पत्र व्यवहार किया गया। परंतु, यह पत्र को पढ़कर पीडब्ल्यूडी अफसर कोई एक्शन ले पाते। इससे पहले ही जेल की दीवारें दम तोड़ चुकी है। यहां पर सबसे बड़ी बात यह निकलकर सामने आ रही है कि हर वर्ष मेंटेनेंस को लेकर पत्र लिखा जाता है जिसके बाद अफ्सर इसकी सुध नहीं लेते हैं।

एसडीओ भिंड के पद से हटाया

लोक निर्माण विभाग के एसडीओ पीके शर्मा से जब राजएक्सप्रेस ने बात करनी चाही तो उन्होंने कहा कि मुझे हटा दिया गया है। लापरवाही करने के आरोप में पीके शर्मा को एसडीओ भिंड के पद से हटा दिया गया है। एडीओ वीके श्रीवास्तव को नियुक्त किया है। यह कार्रवाई एसडीओ शर्मा पर 24 जुलाई को हुई थी। एसडीओ श्रीवास्तव को चार्ज नहीं दे रहे थे। शनिवार को जेल गिरने के बाद निरीक्षण करने ग्वालियर से आए पीडब्ल्यूडी के मुख्य अधीक्षण यंत्री आरएल भारती स्पष्ट तौर एसडीओ शर्मा से बोलकर गए कि कुर्सी खाली कर दो।

चंबल के नामी दस्यु सरगना व बदमाश बंद रहे हैं भिंड जेल में

भिंड। भिंड जिला जेल में शनिवार को हुए हादसे के बाद भले ही अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रही हो, लेकिन एक जमाने में यह जेल मध्यप्रदेश की कुछ चुनिंदा जेलों में एक थी जिसमें बड़े से बड़े कुख्यात दस्यु सरगना और बदमाशों को बंद किया गया। इस जेल में आने वाले कुछ ऐसे नाम थे, जिन्हें सुनने मात्र से छोटा-मोटा बदमाश दहशत में आ जाता था। आस पास के जिले के बदमाश इस जेल में सजा काटने से घबराते थे। कुख्यात बदमाशों की वजह से हर कोई जेलर भिंड जेल में आने से कतराता था। कई बार जेल से बदमाशों के भागने की भी घटनाएं हुई है। भिंड जिले में दस्यु उन्मूलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सेवानिवृत डीएसपी (दो बार राष्ट्रपति से दस्यु उन्मूलन में वीरता पुरस्कार से सम्मानित) केडी सोनकिया ने बताया कि उनके सेवाकाल के दौरान 25 एंकाउंटर में 45 बदमाश और डकैतों का सफाया किया है। उन्होंने बताया कि पुलिस सेवा में आने के बाद सन 1986 में पहली बार मेरी पोस्टिंग भिण्ड में हुई। उस समय मेरी उम्र 27 साल थी। पहली पोस्टिंग के साथ मुझे दस्यु उन्मूलन का जिम्मा दिया गया। भिंड जिले में तीन बार पदस्थ हुआ। हर बार डकैतों या बदमाशों के खात्मा की जिम्मेदारी मिली।

ये कैसी हीलाहवाली, 20 साल से खंड पंचायत अधिकारियों के 211 पद खाली

स्वीकृत पद संरचना के अनुपात में मात्र 102 अधिकारी ही संभाल रहे काम

भोपाल (एजेंसी)।

जिस पंचायती राज व्यवस्था को सरकारें विकास के पैमाने पर देश-प्रदेश का मॉडल बनाकर पूरी दुनिया में प्रस्तुत कर रही हैं। वहां सिस्टम लाचार सा दिख रहा है। हालात यह हैं कि मप्र की 200 जनपद पंचायतों में पिछले 20 साल से स्वीकृत पद संरचना का पालन नहीं हो रहा है। यहां खंड पंचायत अधिकारियों के 211 पद रिक्त पड़े हुए हैं। इस भरपाई की सुध विभाग में आला अधिकारियों तक को नहीं है। पंचायतों में सर्वहारा वर्ग का सामाजिक, शैक्षणिक उत्थान एवं ग्रामों का चहुंमुखी विकास करने कोई तीन दर्जन से अधिक योजनाओं का संचालन हो रहा है। इनकी निगरानी का काम भी जनपदों में पदस्थ खंड पंचायत अधिकारियों का ही होता है। प्रत्येक जनपद पंचायत के मुख्य कार्यालय में एक अधिकारी की नियुक्ति शासन की पद संरचना के हिसाब से है। प्रदेश में 313 जनपद पंचायतें हैं। जिनमें से मात्र 102 अधिकारी ही पदस्थ हैं। बकाया पद पिछले 20 साल से खाली पड़े हुए हैं। अब हालात यह हैं कि एक अधिकारी को दो-दो जनपदों का प्रभार निगरानी के लिए दिया गया है। काम का अधिक भार होने के कारण यह अफसर भी समय से पंचायतों का निरीक्षण नहीं कर पा रहे हैं। जबकि दूसरी ओर ताबड़तोड़ रिटायरमेंट का क्रम जारी है।

बोलते आंकड़े

प्रदेश में कुल जनपद पंचायतें
313

पदस्थ खंड पंचायत अधिकरी
102

रिक्त पड़े पदों की संख्या
211

एक अफसर को दो से लेकर तीन जनपद पंचायतों का सौंपा प्रभार

दो दशक से कर रहे पत्र व्यवहार : शिंदे

खंड पंचायत अधिकारी दिलीप शिंदे का कहना है कि स्वीकृति के अनुपाद में पदों को भरने के लिए पिछले दो दशकों से पत्र व्यवहार कर रहे हैं, लेकिन शरसन द्वारा इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जबकि तीन दर्जन से अधिक योजनाओं का संचालन पंचायत स्तर पर किया जा रहा है। मैदानी स्तर पर काम बढ़ रहा है, जबकि अमला घट रहा है।

काम का ज्यादा भार अफसरों पर : तिवारी

खंड पंचायत अधिकारी बृजेश तिवारी का कहना है कि एक जनपद में 300 से लेकर 400 या इससे अधिक पंचायतें होती हैं। अब आधे से कम स्टॉफ होने के कारण एक खंड अधिकारी को दो या तीन जनपदों का काम देखना पड़ रहा है। समय पर यदि कोई काम नहीं हो पाता है तो उच्च स्तर पर भी नोटिस सहित अन्य कार्यवाहियां झेलनी पड़ रही हैं।

काम अधिक फिर भी सुविधा नहीं : खरे

खंड पंचायत अधिकारी राजेंद्र खरे का कहना है कि उनके साथियों के कंधों पर काम का अधिक बोझ रख दिया गया है। जबकि उन्हें सुविधाएं कुछ भी नहीं हैं। सालों से जो वेतनमान की विसंगति चली आ रही है। उस प्रमुख मुद्दे का भी सरकार समाधान नहीं कर पा रही है। हालांकि अब प्लानिंग तैयार की जा रही है कि एकजुटता के साथ सीएम के समक्ष पक्ष रखा जाएगा।

उपचुनाव जीतने समेत कई मुद्दों पर भाजपा नेताओं का गोपनीय मंथन

निगम मंडलों में युवा नेताओं को दिया जाएगा मौका

मुरलीधर राव, शिवराज सिंह, वीडी शर्मा, सुहास भगत और हितानंद शर्मा के बीच 10 घंटे चली बैठक

भोपाल (एजेंसी)। रविवार को कोलार डैम विश्राम गृह में सत्ता और संगठन की बैठक लगभग 10 घंटे तक चली। इस गोपनीय बैठक में मप्र प्रभारी मुरलीधर राव, संगठन मंत्री सुहास भगत, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा और सहसंगठन महामंत्री हितानंत शर्मा शामिल थे। बैठक में खंडवा लोकसभा और तीन विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की रणनीति के अलावा निगम मंडलों में युवा नेताओं को नियक्ति देने का निर्णय हुआ है।

शनिवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के दिल्ली प्रवास के दौरान गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद कई तरह के कयास लगाए जा रहे थे। यहां तक कहा जा रहा था कि मप्र में भी बदलाव हो सकता है। इन सब कयासों के बीच रविवार को सुबह 11 बजे मप्र प्रभारी मुरलीधर राव, संगठन मंत्री सुहास भगत, मुख्यमंत्री चौहान और मप्र बीजेपी अध्यक्ष वीडी शर्मा, सह संगठन महामंत्री हितानंत शर्मा कोलार डैम विश्राम गृह एक साथ पहुंचे। इनके आने से पहले ही कोलार डैम पहुंचने वाले रास्तों पर पुलिस का सख्त पहरा लगा दिया गया था, किसी को भी वन विभाग के विश्राम गृह की तरफ जाने की अनुमति नहीं दी गई। यहां तक की पुलिस और प्रशासन के अधिकारी भी बाहर सड़क पर ही खड़े रहे । बैठक की गोपनीयता भंग नहीं हो, इसके लिए किसी को भी बैठक कक्ष या बाहर आने ही नहीं दिया गया। बैठक कक्ष में सिर्फ मुरलीधर राव,

सुहास भगत, मुख्यमंत्री चौहान और वीडी शर्मा और हितानंत शर्मा ही मौजूद रहे। बैठक का दौर लगभग 11: 30 बजे शुरू हुआ, जिसमें निगम -मंडलों में नियुक्तियां, उपचुनावों में नए चेहरा सहित कई संगठन और सरकार से संबंधित मामलों पर चर्चा हुई। लगभग 10 घंटे चली इस बैठक में उपचुनाव से पहले निगम मंडल सहित प्रदेश भाजपा प्रवक्ताओं के नाम पर विचार करने का निर्णय लिया गया। निगम मंडल और बीजेपी प्रवक्ताओं की पैनल में युवा नेताओं को शामिल किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार बैठक में मौजूद मप्र प्रभारी मुरलीधर राव, संगठन मंत्री सुहास भगत और सहसंगठन महामंत्री हितानंत शर्मा ने शिवराज सिंह चौहान पर केंद्रीय हाईकमान का भरोसा कायम होने की बात कही है। फिलहाल मप्र में शिवराज सिंह चौहान ही बीजेपी सरकार के चेहरा बने रहेंगे।

गुटबाजी को कम करने की कवायद

बैठक में पार्टी में तेजी से उभर रही गुटबाजी को कम करने की कवायद पर मंथन किया गया। गुटबाजी को कम करने और पदाधिकारियों को संतुष्ट करने को लेकर बैठक में रणनीति बनाई गई। बताया जा रहा है कि रणनीति के तहत अब युवा और पार्टी के वजनदार नेताओं को विभिन्न पदों पर नियुक्ति देकर संतुलन बनाने का काम किया जाएगा।

बिजली क्षेत्र में सुधार, दबाव में सरकार

किसानों को सब्सिडी की राशि सीधे खाते में देने की व्यवस्था लागू करना जरूरी

भोपाल (एजेंसी)।

कोरोना काल में केंद्र सरकार ने राज्यों की कर्ज लेने की क्षमता में बढ़ोतरी कर दी थी, जिससे कि वे बार- बार नुकसान की भरपाई के लिए केंद्र के सामने हाथ नहीं फैलाए। यह अनुमति सशर्त दी गई थी, जिसके तहत राज्यों को बिजली क्षेत्र में सुधारों को लागू करना अनिवार्य था।

केंद्र सरकार की शर्त के तहत किसानों को सस्ती बिजली देने की नीति में बदलाव किया जाना था, जिसके तहत किसानों के लिए यह जरूरी है कि वे सब्सिडी का लाभ लेने के लिए पहले बिल की पूरी राशि बिजली कंपनियों को जमा कराए। यह नियम राज्य के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। इस योजना को प्रदेश के तीन जिलों में लागू किया जाना था, लेकिन अभी मात्र एक जिला में ही इसे लागू किया जा सका है। इधर बिजली क्षेत्र में सुधार को लागू करने के लिए केंद्र सरकार लगातार मॉनीटरिंग कर रही है, इससे राज्य सरकार दबाव में है। केंद्र सरकार ने बिजली क्षेत्र में सुधार को लागू करने के लिए राज्य सरकार से फिर आग्रह किया है। इसके तहत किसानों को रियायती दामों पर जो बिजली कृषि कार्यों के लिए मिल रही है। उसके लिए यह जरूरी है कि अब किसान पहले बिजली बिल की पूरी राशि बिजली कंपनियों को जमा करे, उसके बाद राज्य सरकार सब्सिडी की पूरी राशि किसानों के खाते में डाल देगी। यानी अब राज्य सरकार बिजली कंपनियों को सीधे सब्सिडी की राशि नहीं देगी, बल्कि किसानों को देगी, लेकिन शर्त यह रहेगी कि पहले किसानों को नो ड्यूज का सर्टिफिकेट देना होगा। यानी किसानों द्वारा खपत की गई बिजली बिल की पूरी राशि पहले बिजली वितरण कंपनियों के खाते में जमा करना होगा।

तीन में से केवल एक जिले में ही लागू हो सकी योजना

भारी-भरकम बिजली बिल देने में आ रही परेशानी

इस योजना को प्रदेश के तीन जिलों में लागू किया जाना था। इनमें विदिशा, सिवनी और झाबुआ शामिल है, लेकिन विदिशा जिले में ही इस योजना को आशातीत अफलता नहीं मिल पा रही है, इसलिए यह योजना सिवनी और झाबुआ जिले में भी ठीक से लागू नहीं की जा सकी है। योजना के तहत तीनों बिजली वितरण कंपनियों के कार्यक्षेत्र वाले एक-एक जिले में यह योजना लागू किया जाना था, लेकिन केवल मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के तहत आने वाले विदिशा जिले में ही इसे लागू किया जा सका है। बाकी पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के तहत आने वाला जिला सिवनी और पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के तहत आने वाला जिला झाबुआ में इसे प्रभावी तरीके से लागू नहीं किया जा सका है। बताया जा रहा है कि विदिशा जिले में ही किसानों को इस योजना के दायरे में लाने में परेशानी हो रही है। दरअसल किसान एक साथ भारी-भरकम बिल अदा नहीं कर पा रहे हैं।

80 से 90 हजार तक देना पड़ रहा किसानों को

प्रदेश में किसानों को बेहद कम दामों में बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। किसानों को पांच हार्स पॉवर का पंप उपयोग करने पर प्रति हार्स पॉवर 700 रुपए ही प्रतिवर्ष देना पड़ रहा है। इससे अधिक वाले किसानों को 1400 रुपए प्रति वर्ष प्रति हार्स पॉवर के हिसाब से राशि देना पड़ रहा है। अनुसूचित वर्ग के किसानों को पांच एचपी तक की बिजली नि:शुल्क दी जा रही है। इस वर्ग के 8 लाख से अधिक उपभोक्ताओं को नि:शुल्क बिजली मिल रही है, वहीं बाकी पांच एचपी वाले किसानों को प्रतिवर्ष महज 3500 रुपए ही देना पड़ रहा है। ऐसे उपभोक्ताओं की संख्या 20 लाख से अधिक है। दस एचपी तक की खपत वालों को भी महज 1400 रुपए प्रति एचपी तक ही देना पड़ रहा है। यानी उन्हें भी अधिकतम 14 हजार रुपए ही देना पड़ रहा है, वहीं पांच से 10 एचपी तक कृषि पंपों के वर्ष भर उपयोग पर सामान्य बिजली बिल 80 से 90 हजार रुपए बनता है। इस तरह अब 3500 रुपए और 14 हजार रुपए के बजाय 80 से 90 हजार रुपए बिजली कंपनियों को सीधे देना पड़ रहा है। हालांकि बाद में सब्सिडी की पूरी राशि किसानों के खाते में वापस डालने का प्रावधान है, लेकिन पहले ही इतनी बड़ी राशि देने में किसानों को परेशानी हो रही है। इस कारण इस योजना को पूरे प्रदेश में लागू करने को लेकर दुविधा बनी हुई है।

आधा फीसदी बढ़ गई थी कर्ज लेने की क्षमता

आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत केंद्र सरकार ने जो पैकेज घोषित किया था उसमें बिजली क्षेत्र में सुधार लागू करने पर जीएसडीपी के आधे फीसदी के बराबर अतिरिक्त कर्ज लेने की अनुमति राज्यों को दी थी। मध्यप्रदेश ने इस योजना से सहमति जताई थी। लिहाजा उसे अतिरिक्त कर्ज लेने की मंजूरी मिल गई थी। इससे मप्र की कर्ज लेने की क्षमता में लगभग पांच हजार करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हो गई थी।

मानव सेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं

गृह मंत्री डॉ. मिश्रा ने विश्व स्कार्फ डे पर आयोजित कार्यक्रम को किया संबोधित

भोपाल (एजेंसी)। मानव सेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं है। संसार में सबसे बड़ी सेवा मानव सेवा ही है। विश्व स्कार्फडे के अवसर पर दतिया में स्काउट एवं गाइड द्वारा आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने यह बात कही। इस अवसर पर डॉ. मिश्रा को गले में स्कार्फ पहनाया गया।

डॉ. मिश्रा ने स्काउट एवं गाइड द्वारा मानव सेवा के लिए किए जाने वाले कार्यों की सराहना की। उन्होंने उपस्थित जनों से आव्हान किया कि स्काउट एवं गाइड के द्वारा किए जाने वाले कार्यों से सदैव सीख लेना चाहिए। डॉ. मिश्रा ने बताया कि स्काउट के गले में डला हुआ स्कार्फउसकी प्रतिज्ञा का प्रतीक है। स्कार्फ, स्काउट को सदैव मानव सेवा करने की प्रतिज्ञाओं की याद दिलाता है और मानव सेवा के लिए प्रेरित करता है।

पौधरोपण कार्यक्रम में हुए शामिल

मंत्री मिश्रा दतिया में सेवढ़ा बायपास पर स्मृति वन में आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने समारोह में वृक्षों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए आमजन से पर्यावरण संरक्षण का आह्वान किया। डॉ. मिश्रा ने कहा कि पर्यावरण को सुरक्षित रखकर ही अपनी भावी पीढ़ियों को बेहतर भविष्य दे सकते हैं।

प्रजापति समाज के महा सम्मेलन में भी हुए शामिल-गृह मंत्री डॉ. मिश्रा दतिया में राष्ट्रीय प्रजापति महासभा के तत्वाधान में प्रजापति उत्थान सेवा समिति द्वारा आयोजित महा सम्मेलन में भी शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रजापति समाज वसुधैव कुटुंबकम की भावना के अनुरूप सभी से मिलजुल कर रहने वाला समाज है। प्रदेश सरकार समाज के उत्थान के लिए हर संभव सभी आवश्यक कदम उठा रही है। समाज के लिए जो भी सहयोग अपेक्षित होगा दिया जाएगा।

मेरे शरीर और परिवार में कांग्रेस विचारधारा का ही प्रवाह : अरुण

मेरे सहित समूचे परिवार के नाम के आगे 'यादव' लिखा है 'सिंधिया 'नहीं

भोपाल, (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं मध्यप्रदेश के पूर्व अध्यक्ष अरुण यादव ने रविवार को कहा कि उनके शरीर और परिवार के रक्त की एक-एक बूंद में कांग्रेस विचारधारा का ही प्रवाह होता है।

श्री यादव ने उनको लेकर राजनीति के गलियारों में इन दिनों चल रहीं अटकलबाजियों के बीच ट्वीट के जरिए यह बात कही। पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री यादव ने लिखा है कि मेरे शरीर व परिवार के रक्त की एक-एक बूंद में कांग्रेस विचारधारा का प्रवाह होता है, मुझ सहित समूचे परिवार के नाम के आगे 'यादव' लिखा है 'सिंधिया 'नहीं। अलगाववादी ताकतों को मुंह की खाना पड़ेगी।

दरअसल राज्य में निकट भविष्य में होने वाले खंडवा लोकसभा उपचुनाव के लिए श्री यादव की मजबूत दावेदारी मानी जा रही है और वे उपचुनाव की तैयारियों में जुट भी गए हैं। लेकिन संगठन के अंदर ही उनकी दावेदारी को कथित तौर पर चुनौती देने के प्रयासों के बीच सत्ता के गलियारों में यह कयास लगाए जाने लगे थे कि क्या श्री यादव भी श्री सिंधिया (ज्योतिरादित्य सिंधिया) के नक्शेकदम पर चलेंगे। श्री अरुण यादव खंडवा से सांसद रह चुके हैं और उनके पिता एवं दिवंगत कांग्रेस नेता सुभाष यादव उप मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंचे थे। अरुण यादव के अनुज सचिन यादव पूर्ववर्ती कमलनाथ सरकार में कृषि मंत्री का दायित्व संभाल चुके हैं। राजनीति में युवा चेहरा अरुण यादव अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का प्रतिनिधित्व भी करते हैं।

भाजपा ने किया कांग्रेस पर कटाक्ष

भोपाल, (एजेंसी)। मप्र भाजपा के मीडिया प्रभारी लोकेंद्र पाराशर ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण यादव के ट्वीट और इस पर वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह की प्रतिक्रिया की घटना पर कटाक्ष किया है। श्री पाराशर ने ट्वीट में लिखा है कि शाबाश अरुण, आप यादव जरूर हो, लेकिन उनके सुर में सुर मिलाकर बंसी बजा रहे हो, जिन्होंने आपके पिताजी का लगातार सरासर अपमान किया। काबिल होने के बावजूद उन्हें इन्हीं दिग्विजय सिंह और उनके गुरु अर्जनु सिंह ने मुख्यमंत्री नहीं बनने दिया। सिर्फ इसलिए कि सुभाषजी पिछड़े वर्ग से आते थे। इसके पहले श्री अरुण यादव के ट्वीट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने ट्वीट में लिखा है, शाबाश अरुण, आपसे यही हम सभी लोगों की उम्मीद है।

प्रदेश के वरिष्ठ भाजपा नेता एवं केंद्रीय जलशक्ति राज्य मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने रविवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुश्री उमा भारती से मुलाकात की। श्री पटेल मुलाकातों के कारण दिन भर चर्चा में बने रहे और लोग अपने-अपने हिसाब से कयास लगाते रहे।

केंद्रीय मंत्रियों से मिलीं मंत्री मीना सिंह

भोपाल । मध्यप्रदेश के आदिम जाति एवं जनजातीय कल्याण मंत्री सुश्री मीना सिंह ने रविवार को नई दिल्ली में केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री अर्जुन मुंडा से मुलाकात कर जनजातीय समुदाय के विकास के संबंध में चर्चा की।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार सुश्री मीना बैठक के दौरान केंद्रीय श्री मुंडा से प्रदेश में जनजातीय समुदाय से अवगत कराते हुए उनके विकास के संबंध में चर्चा की। इसके पूर्व मंत्री उन्होंने केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जी. किशन रेड्डी से भी मुलाकात की। मध्यप्रदेश की जनजातीय मंत्री सुश्री मीना ने केंद्रीय मंत्री से राष्ट्रीय उद्यान भ्रमण करने का आग्रह किया। साथ ही वहां स्थित देवस्थान मंदिर जो पुरानी संस्कृति के हैं, इन्हें पुन: विकसित करने से संबंधित पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने केंद्रीय जनजातीय राज्य मंत्री श्रीमती रेणुका सिंह के साथ विभिन्न योजनाओं पर चर्चा की। सुश्री सिंह ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से भी मुलाकात की। इस दौरान सुश्री मीना ने लोकसभा अध्यक्ष के साथ जनजातीय समुदाय की समस्याओं से अवगत कराया। साथ ही विकास पर केंद्रित विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। इसके अलावा मंत्री मीना सिह ने कें द्रीय इस्पात राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते से भी मुलाकात की।

प्रदेश के दो पूर्व मंत्रियों के बीच बंद कमरे में हुई एक घंटे चर्चा

कांग्रेस के संगठन से लेकर राजनीतिक मुद्दों पर किया मंथन

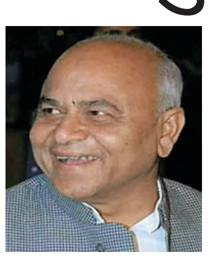

ग्वालियर, एजेंसी। पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बालेंदु शुक्ला को प्रदेश कांग्रेस ने भिंड का प्रभार देकर उनको संगठन मजबूत करने की जिम्मेदारी दी है। यह जिम्मेदारी के मिलने के बाद रविवार को पूर्व मंत्री एवं लहार विधायक डॉ. गोविंद सिंह ने शुक्ला के निवास पहुंचकर उनसे बंद कमरे में करीब एक घंटे लंबी चर्चा की। दो पूर्व मंत्रियों के बीच बंद कमरे में हुई चर्चा को लेकर कांग्रेस के अंदर ही कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं।

पूर्व मंत्री डॉ. गोविंद सिंह रविवार को दोपहर के समय पूर्व मंत्री बालेंदु शुक्ला का निवास पहुंचे और उनको भिंड जिले का प्रभार मिलने पर बधाई दी। यहां बता दें कि भिंड जिले के कांग्रेस अध्यक्ष रहते हुए जयश्रीराम बघेल ने जिस तरह से डॉ. सिंह की खिलाफत की थी उसके बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने बघेल को हटाकर वहां डॉ. सिंह के समर्थक को भिंड का जिला अध्यक्ष नियुक्त कर दिया है, वहीं जिले का प्रभार बालेंदु शुक्ला का सौंपा गया है। ऐसे में भिंड जिले की राजनीति को लेकर दोनों पूर्व मंत्रियों के बीच लंबी चर्चा हुई होगी और जो लोग कांग्रेस में रहते हुए कांग्रेस नेताओं का विरोध कर रहे हैं उसको लेकर भी बात की होगी।

कांग्रेस सूत्र का कहना है कि दोनों पूर्व मंत्री वरिष्ठ हैं इस लिहाज से अंचल में कांग्रेस संगठन को किस तरह से मजबूत किया जाए और युवाओं को किस तरह की जिम्मेदारी दी जाए इसको लेकर भी बात हुई है, क्योंकि अंचल में सिंधिया का खासा प्रभाव है और भाजपा में जाने के बाद सिंधिया की खिलाफत करने के लिए किस तरह के नेताओं को आगे किया जाएं और संगठन को किस तरह से मजबूत कर खड़ा किया जाए जिससे अगले विधानसभा चुनाव में सिंधिया के प्रभाव को कम किया जा सके। प्रदेश में कांग्रेस के अंदर नेता प्रतिपक्ष को लेकर भी चर्चाएं हो रही हैं जिसकेलिहाज से भी दोनों के बीच बात होना संकेत दे रहा है कि अंचल के किसी नेता को कोई जिम्मेदारी जल्द मिल सकती है। वैसे डॉ. सिंह ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि मैं तो वैसे भी नेता प्रतिपक्ष की भूमिका निभा रहा हूं फिर कौन बनेगा यह तो नेतृत्व तय करेगा, लेकिन हम तो सभी मिलजुलकर काम कर रहे हैं।

कमलनाथ ने शिवराज सिंह को दी मित्रता दिवस की शुभकामनाएं

भोपाल, (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमलनाथ ने रविवार को 'मित्रता दिवस' पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को 'शुभकामनाएं' देते हुए ट्वीट किया है, जो चर्चा का केंद्र बन गया।

श्री कमलनाथ ने ट्वीट में लिखा है 'मित्र शिवराज सिंह जी, आपको मित्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। सौदेबाजी से बनी आपकी सरकार को यूं तो 16 माह के करीब हो चुके हैं, लेकिन इन 16 माह में प्रदेश की जनता को मैदान में, एक दिन भी कहीं भी आपकी सरकार नजर नहीं आई। जिस हिसाब से असंतुष्ट आपकी कुर्सी के पीछे निरंतर लगे हैं, पता नहीं आप कब तक अपनी कुर्सी को सुरक्षित रख पाते हैं। श्री कमलनाथ ने सिलसिलेवार ट्वीट में कहा है'लेकिन उम्मीद करता हूं जब तक आप मुख्यमंत्री रहें, प्रदेश की जनता से किए अपने वादों व घोषणाओं को पूरा करने का कुछ तो प्रयास करें, कोरोना की दूसरी लहर में जनता ने आपकी सरकार के कुप्रबंधन का जो खामियाजा भुगता है, उस पर राहत के कुछ तो प्रयास करें। आज फिर प्रदेश में माफिया राज लौट आया है, उसको लेकर अपने जुमलों पर अमल करें, आज जनता महंगाई से परेशान है। हर वर्ग परेशान हैं, उस दिशा में कुछ तो ठोस कदम उठाएं।

राज्यपाल को स्कार्फ पहनाकर किया अभिनंदन

भोपाल । राज्यपाल मंगुभाई छ. पटेल को विश्व स्कार्फ दिवस के अवसर भारत स्काउट एंड गाइड के मुख्य संरक्षक के रूप में बैज तथा स्कार्फ पहना कर उनका भारत स्काउट एवं गाइड मध्यप्रदेश के राज्य सचिव अशोक जनवदे ने रविवार को राजभवन में अभिनंदन किया। प्रतिज्ञा का वाचन किया गया। राज्यपाल श्री पटेल को राज्य सचिव ने भारत स्काउट एवं गाइड संगठन की संक्षिप्त जानकारी दी। उन्हें भारत स्काउट एवं गाइड से प्रकाशित पत्रिका बालचर रवि की प्रति भेंट की। इस अवसर पर भारत स्काउट एवं गाइड मध्यप्रदेश की संयुक्त सचिव श्रीमती अनीता अंकुलनेरकर तथा राज्य प्रशिक्षण आयुक्त बीएल शर्मा भी मौजूद थे।

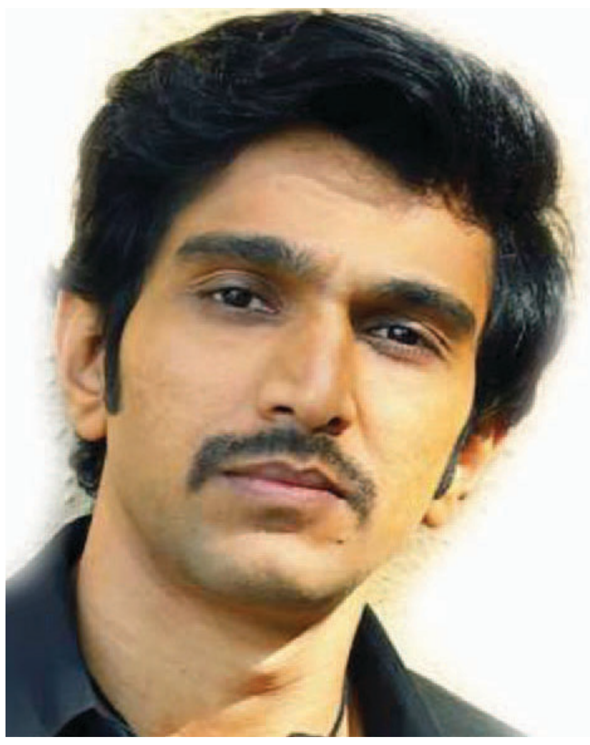

कॉमेडी मेरे लिए एक बहुत ही दिलचस्प शैली रही है-प्रतीक गांधी

लोकप्रिय श्रृंखला स्कैम 1992 द हर्षद मेहता स्टोरी में हर्षद मेहता की भूमिका निभाने वाले अभिनेता प्रतीक गांधी, अपनी आगामी रोमांटिक कॉमेडी फिल्म अतिथि भूतो भव के साथ दर्शकों को हंसाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अभिनेता का कहना है कि एक शैली के रूप में कॉमेडी उनके लिए बहुत दिलचस्प रही है और वह इसकी विभिन्न परतों को तलाशने के लिए उत्सुक हैं। एक कॉमेडी फिल्म में काम करने के बारे में बात करते हुए प्रतीक ने कहा, मैंने कई अलग-अलग शैलियों में काम किया है, खासकर मंच पर कॉमेडी। कॉमेडी हमेशा मेरे लिए एक बहुत ही दिलचस्प शैली रही है। मैं हमेशा इसके प्रति इछुक था। 41 वर्षीय स्टार, जो जल्द ही आगामी मर्डर मिस्ट्री सीरीज द सिक्स सस्पेक्ट्स में नजर आएंगे, वह कॉमेडी की परतों को तलाशने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा कि कॉमेडी में स्लैपस्टिक और व्यंग्यात्मक कॉमेडी या डार्क जैसी कई परतें हैं, बहुत सी चीजें हैं और मैं इसे तलाशने के लिए उत्सुक हूं। हार्दिक गजर के निर्देशन में बनी इस फिल्म की शूटिंग मुंबई और मथुरा में हुई है। अभिनेता को अभिनेत्री तापसी पन्नू के साथ एक नई फिल्म में स्क्रीन स्पेस साझा करते हुए भी देखा जाएगा, जिसका शीर्षक अस्थायी रूप से वो लड़की है कहां है।

सुपर डांसर चैप्टर 4
शिल्पा शेट्टी की जगह नजर आएंगे रितेश देशमुख और जेनेलिया डिसूजा

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी इन दिनों मुश्किल वक्त का सामना कर रही हैं। बीते दिनों एक्ट्रेस के पति राज कुंद्रा को अश्लील फिल्म बनाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। राज कुंद्रा की गिरफ्तारी के बाद से ही शिल्पा शेट्टी ने अपने सभी शूटिंग शेड्यूल कैंसिल कर दिए हैं। शिल्पा शेट्टी इन दिनों रियलिटी शो सुपर डांसर चैप्टर 4 को जज करती नजर आ रही थी। लेकिन वह बीते कई दिनों से शो से नरादद हैं। इस वजह से हर हफ्ते शो में नए-नए मेहमान शिल्पा शेट्टी की कुर्सी को संभाले हुए हैं। वही इस हफ्ते शो में शिल्पा शेट्टी की जगह रितेश देशमुख और जेनेलिया डिसूजा बतौर मेहमान दिखेंगे। बता दें कि राज कुंद्रा की गिरफ्तारी के बाद से ही शिल्पा शेट्टी ने पब्लिक अपीरियंस बंद कर दी है। शिल्पा ने अपनी कमबैक फिल्म हंगामा 2 का प्रमोशन भी नहीं किया था। वही मुंबई क्राइम ब्रांच राज कुंद्रा और शिल्पा शेट्टी से साथ में पूछताछ भी कर चुकी है।

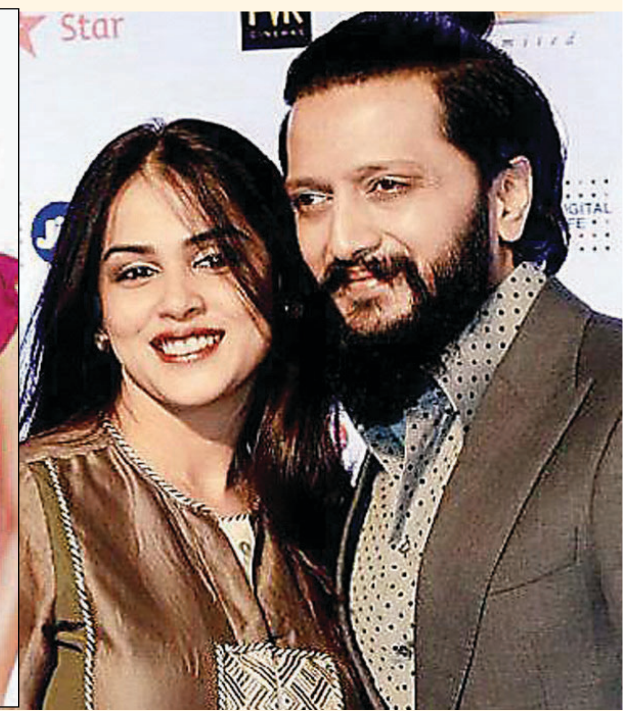

फैंस का इंतजार खत्म प्रभास की राधेश्याम इस दिन होगी रिलीज

साउथ सुपरस्टार प्रभास की बहुभाषी फिल्म राधेश्याम का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में प्रभास एक बार फिर लवरबॉय अवतार में नजर आने वाले हैं। वही अब इस फिल्म की रिलीज डेट सामने आ गई है। प्रभास ने अपने सोशल मीडिया पर फिल्म का एक पोस्टर शेयर किया है, जिसमें उन्हें डेपर लुक में यूरोप की सड़कों पर टहलते हुए देखा जा सकता है। इस पोस्टर में इस बात का खुलासा किया गया है कि यह फिल्म मकर संक्रांति/पोंगल के अवसर पर 14 जनवरी 2022 को रिलीज होगी। फैंस बड़ी बेसब्री से फिल्म का इंतजार कर रहे हैं और इस खबर ने आखिरकार प्रशंसकों को जिज्ञासु कर दिया है। कई लोगों का मानना ? है कि यह फिल्म साल की सबसे बड़ी फिल्म में से एक होगी। प्रभास के प्रशंसक निश्चित रूप से इस घोषणा को सुनकर खुश होंगे। इस फिल्म के साथ लगभग एक दशक के अंतराल के बाद प्रभास रोमांटिक शैली में वापसी कर रहे हैं। इसके अलावा फिल्म में प्रभास और पूजा हेगड़े की एक नई जोड़ी देखने मिलेगी। फिल्म के कई पोस्टर में प्रभास को एक लवर बॉय के अवतार में दिखाया गया है। फिल्म 14 जनवरी 2022 में स्क्रीन पर दस्तक देगी। राधेश्याम एक बहुभाषी फिल्म होगी और गुलशन कुमार व टी-सीरीज द्वारा प्रस्तुत इस फ़िल्म का निर्देशन राधा कृष्ण कुमार द्वारा किया गया है। यह यूवी क्रिएशंस द्वारा निर्मित है। फिल्म का निर्माण भूषण कुमार, वामसी और प्रमोद ने किया है।

नोरा फतेही ने मनाया जश्न
इंस्टाग्राम पर पूरे हुए 30 मिलियन फॉलोवर्स

अपनी बैक टू बैक सफलताओं के साथ, नोरा फतेही मनोरंजन उद्योग की सबसे लोकप्रिय और पसंदीदा कलाकारों में से एक है, जिसके न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर में अथाह प्रशंसक है। अपने अनुयायियों के समर्थन से नोरा फतेही ने इंस्टाग्राम पर 30 मिलियन फॉलोवर्स का आंकड़ा पार कर लिया है.अपने हाल ही में रिलीज़ हुए गाने ज़ालिमा कोको कोला के साथ इंटरनेट पर तहलका मचाने के बाद अभिनेत्री ने अपने इंस्टा फैम को 30 मिलियन तक बढ़ा लिया है। समुद्र के किनारे की एक्सक्लूसिव तस्वीरें साझा करते हुए, नोरा फतेही एनिमल प्रिंट आउटफिट पहने हुए नजर आ रही हैं, जो बिल्कुल दिलकश लग रही हैं।

शर्लिन चोपड़ा को कोर्ट से झटका
अग्रिम जमानत याचिका खारिज

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा को अश्लील फिल्म बनाने और उन्हें एप पर अपलोड करने के आरोप में 19 जुलाई को गिरफ्तार किया गया था। कोर्ट ने राज को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इस केस में एक बड़ा अपडेट सामने आया है। खबरों के अनुसार मुंबई सेशंस कोर्ट ने एक्ट्रेस शर्लिन चोपड़ा की अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। बता दें कि पुलिस ने शर्लिन को राज कुंद्रा से जुड़े पॉर्न केस में 27 जुलाई को संपत्ति प्रकोष्ठ के समक्ष पेश होने के लिए तलब किया था। पुलिस ने कोर्ट में बताया कि शर्लिन चोपड़ा पोर्न रैकेट केस में गवाह है। इसलिए उन्हें पुलिस ने इस मामले में समन किया है। तभी से शर्लिन को अपनी गिरफ्तारी का डर सता रहा था। इसके चलते उन्होंने पहले ही कोर्ट में जमानत की अर्जी डाल दी थी। जिसे अब कोर्ट ने ठुकरा दिया है। शर्लिन की तरफ से उनके वकील ने कोर्ट में दलील दी कि एक्ट्रेस बस खुद का बचाव कर रही हैं, उन्हें गिरफ्तारी का डर नहीं हैं। गौरतलब है कि शर्लिन चोपड़ा ने दावा किया था कि उन्होने इस मामले में सबसे पहले पुलिस को अपना बयान दिया था। इसलिए उन्हें मुंबई क्राइम ब्रांच के सामने 27 जुलाई को 11 बजे अपना बयान दर्ज करवाने के लिए समन भेजा गया था।

फिल्ममेकर त्रिशा दास का बड़ा खुलासा, कई बार हुआ मेरा यौन शोषण

फिल्म इंडस्ट्री में अब काफी बदलाव आ चुका है। पहले स्टार्स अपने साथ होने वाले अन्याय के बारे में खुलकर बात नहीं करते थे, लेकिन अब सबके सामने खुल कर बात रखते हैं। खासकर फीमेल स्टार्स अपने साथ होने वाले यौन उत्पीड़न के बारे में खुलकर सामने आ रही हैं। हाल ही में फिल्ममेकर और लेखक त्रिशा दास ने अपने साथ हुए शोषण लेकर खुलासा किया है। त्रिशा दास ने कहा- मैं कई बार यौन शोषण का शिकार हो चुकी हूं। जब इतना सोशल मीडिया का जमाना नहीं था और न कोई मीटू कैंपेन था। एक फेमिनिस्ट होने के नाते, 2016 में जब मैंने अपनी पहली किताब लिखी थी तब से लेकर अब के समय में काफी बदलाव आ गया है। अब लोग लैंगिक समानता पर बात करते हैं, समाज में हो रहे अन्याय की बात करते हैं। वर्क प्लेस में जहां लैंगिक असमानताएं होती थीं वहां मीटू जैसे मूवमेंट शुरू हो गए हैं। त्रिशा दास ने आगे कहा- पुराने दिनों की बात करूं तो जब मैं जब डॉक्यूमेंट्री फिल्ममेकर के रूप में काम कर रही थी तब कई बार मेरा यौन शोषण किया गया, लेकिन वर्क प्लेस पर ये आम बात थी। तब कोई सोशल मीडिया नहीं था जहां हम अपनी कहानी बयां कर सकें, अपनी बात कह सकें। शांत होकर शोषण का शिकार होते रहना बहुत आम बात होती थी। आदमियों के अंदर किसी बात का डर नहीं होता था, लेकिन सोशल मीडिया और कार्यस्थल पर यौन शोषण पर होने वाली बातचीत और मीटू मूवमेंट के बाद बहुत सारे बदलाव आए। क्योंकि ये मूवमेंट महिलाओं के सशक्तिकरण को लेकर है, मुझे उम्मीद है कि इस आंदोलन का राजनीतिकरण नहीं होगा। बता दें त्रिशा दास फिल्म अभिनेता वीर दास की बहन हैं।

सोफिया हयात बोलीं बॉलिवुड में धोखे से बनाई जाती हैं पॉर्न फिल्में

राज कुंद्रा के पॉर्न फिल्में बनाने के आरोप में गिरफ्तार होने के बाद सोफिया हयात ने कहा है कि बॉलिवुड में नए ऐक्टर्स के साथ धोखे से पॉर्न फिल्में बनाई जाती हैं। सोफिया ने पॉर्न की तुलना रेप से भी की है। पॉर्न फिल्में बनाने के आरोप में गिरफ्तार किए गए बिजनसमैन राज कुंद्रा इस समय जेल में हैं। राज कुंद्रा के गिरफ्तार होने के बाद कई ऐक्ट्रेस ने आरोप लगाए हैं कि बॉलिवुड में करियर बनाने के लिए आने वाले नए ऐक्टर्स से धोखे से अश्लील और पॉर्न फिल्मों में काम कराया जाता है। अब टीवी रिऐलिटी शो बिग बॉस 7 में नजर आ चुकीं सोफिया हयात ने भी कहा है कि बॉलिवुड में धोखे से ऐक्टर्स के साथ पॉर्न फिल्में बनाई जाती हैं। सोफिया हयात ने कहा, एक बार एक कास्टिंग डायरेक्टर ने मुझसे कहा था कि मुझे डायरेक्टर को दिखाना होगा कि इंटिमेट सीन में मैं कैसे ऐक्ट करूंगी। मुझे पता था कि यह एक ट्रिक है क्योंकि प्रफेशनल लोग कभी कलाकारों से ऐसे सीन परफॉर्म करने के लिए नहीं कहते हैं। मैं अपने करियर में केवल 2 लव सीन किए हैं और मुझे ऐसे सीन करने में कोई परेशानी भी नहीं है। लेकिन यह एक बंद सेट पर फिल्माए गए थे और किसी ने मुझे शूट से पहले ऐसे सीन परफॉर्म करने के लिए नहीं बोला था। सोफिया हयात ने आगे कहा कि बॉलिवुड में आने वाले नए कलाकारों को ऐसी बातों का ध्यान रखना चाहिए। सोफिया ने यह भी कहा कि पॉर्न फिल्में लोगों को प्यार से दूर वासना की ओर ले जाती हैं। कोर्ट को इसे रेप की तरह मानना चाहिए और जो भी व्यक्ति पॉर्न फिल्में बेचता है वह प्यार की शक्ति का दुश्मन होता है। सोफिया हयात ने आगे कहा कि बॉलिवुड में बहुत से बिजनसमैन जवान लड़कियों का गलत फायदा उठाते हैं। वे बिजनसमैन केवल पैसा कमाना चाहते हैं। सोफिया ने कहा कि ऐसे लोग महिलाओं के साथ जो कर रहे हैं यह रेप जैसा है।

हिना खान ने फिल्म लाइंस को लेकर अपना उत्साह साझा किया

हिना खान का हालिया गाना वीडियो बारिश 25 करोड़ हिट्स को पार कर गया है और अब उनकी फिल्म लाइंस का पहला गाना झेलम दे दरिया सूफी गायक और कवि रोहिल भाटिया द्वारा रचित और यश चौधरी द्वारा गाया गया है। अभिनेत्री ने इस फिल्म में एक कमजोर लड़की, नाज़िया की मुख्य भूमिका निभाई है, जिसकी शादी कश्मीर की सीमा के पार होती है। कहानी इस बात के इर्द-गिर्द घूमती है कि कैसे सीमा पर तनाव युगल के बीच रिश्ते में एक बाधा बन जाता है। हिना खान अपना उत्साह और अनुभव साझा करते हुए कहती हैं, इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना वास्तव में सौभाग्य की बात है। इस फिल्म और विशेष रूप से इस गाने की शूटिंग के दौरान मुझे बहुत सारे अद्भुत अनुभव हुए हैं। मैं बस दर्शकों की प्रतिक्रिया देखने के लिए इंतजार कर रही हूं। उनसे अपार प्यार और समर्थन मिलने की उम्मीद है। फिल्म को राहत काजमी, तारिक खान, जेबा साजिद और राज कुशवाहा ने प्रोड्यूस किया है। यह जम्मू और कश्मीर में सीमा के दोनों ओर रहने वाले लोगों के जीवन पर आधारित है। यह फिल्म पुंछ पर आधारित है, जो एक ऐतिहासिक शहर है और सीमा पर विभाजित है। फिल्म में हिना खान के साथ फरीदा जलाल, ऋषि भूटानी और अहमर हैदर जाहिद कुरैशी भी हैं। यह फिल्म वूटसेलेक्ट पर रिलीज हुई है।

टोक्यो ओलंपिक : दो ओलंपिक मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं पीवी सिंधू , हासिल किया कांस्य पदक

ओलंपिक (बैडमिंटन) : सिंधु ने टोक्यो में कांस्य जीत रचा इतिहास

तो यो। (एजेंसी)।

भारत की महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने रविवार को चीन की जियाओ हे बिंग को हराकर टोक्यो ओलंपिक में महिला एकल का कांस्य पदक जीत लिया है।

रियो ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाली छठी सीड सिंधु ने मुशासहीनो फॉरेस्ट प्लाजा कोर्ट नम्बर-1 पर आठवीं सीड बिंग को 52 मिनट में 21-13, 21-15 से हराया और लगातार दो ओलंपिक पदक जीतने वाली भारत की पहली बैडमिंटन खिलाड़ी और दूसरी एथलीट बन गईं। ध्यान रखने वाली बात यह है कि यह सिंधु का मात्र दूसरा ओलंपिक था। रियो में सिंधु ने डेब्यू किया था। यही नहीं, पहलवान सुशील कुमार के बाद लगातार दो ओलंपिक पदक जीतने वाली सिधु दूसरी भारतीय हैं। सुशील ने 2008 के बीजिंग ओलंपिक में कांस्य और 2012 के लंदन ओलंपिक में रजत पदक जीता था। रियो ओलंपिक में सिंधु फाइनल में स्पेन की केरोलिना मारिन के हाथों हार गई थीं। यहां टोक्यो में सिंधु को सेमीफाइनल में ताइवान की ताए जू यिंग के हाथों हार मिली थी।

ओलंपिक इतिहास रचने के लिये ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

तोक्यो। भारतीय महिला हॉकी टीम ओलंपिक में अपने स्वप्निल सफर में एक और जीत दर्ज करने की उम्मीद के साथ सोमवार को तोक्यो ओलंपिक क्वार्टरफाइनल में आस्ट्रेलिया के खिलाफ कड़ी चुनौती से पार पाने की कोशिश करेगी। भारतीय महिला हॉकी टीम ने आयरलैंड और दक्षिण अफ्रीका पर लगातार जीत दर्ज कर छह अंकों के साथ पूल ए में चौथे स्थान पर रहते हुए पहली बार अंतिम आठ चरण में जगह बनायी। पूल से शीर्ष चार टीमें नॉकआउट चरण में पहुंची।

भारतीय महिला हॉकी टीम का ओलंपिक में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1980 में मास्को में रहा था जब वह छह टीमों में चौथे स्थान पर रही थी। तोक्यो में टीम का अभियान नीदरलैंड, जर्मनी और गत चैम्पियन ब्रिटेन से लगातार तीन मैचों में हार से शुरू हुआ लेकिन उसने शानदार वापसी करते हुए अपने से ऊंची रैंकिंग की आयरलैंड को 1-0 से हराने के बाद दक्षिण अफ्रीका को 4-3 से शिकस्त देकर खुद को दौड़ में बनाये रखा। भारत का अंतिम आठ में स्थान ब्रिटेन के पूल ए के अंतिम मैच में आयरलैंड को 2-0 से हराने के बाद सुनिश्चित हुआ। रानी रामपाल की अगुआई वाली टीम ने लगातार तीन हार के बाद वापसी करने का जबरदस्त जज्बा और दृढ़ संकल्प दिखाया तथा आस्ट्रेलियाई टीम इसी दृढ़ संकल्प की परीक्षा लेगी। अनुभवी स्ट्राइकर वंदना कटारिया महिला हॉकी में ओलंपिक में हैट्रिक जमाने वाली देश की पहली खिलाड़ी बनी। टूर्नामेंट के दौरान भारतीय महिला खिलाड़ियों ने गोल करने के कई मौके बनाये, भले ही ये पेनल्टी कार्नर से मिले या फिर मैदानी खेल में, लेकिन उनमें फिनिशिंग की कमी दिखी। रानी की अगुआई वाली अग्रिम पंक्ति पूरे पूल चरण में काफी प्रभावशाली रही लेकिन शर्मिला देवी, लालरेमसियामी और खुद रानी ने कई मौके गंवाये। अभी तक पेनल्टी कार्नर से गोल करने में भी भारत का प्रदर्शन निराशाजनक रहा जिसमें ड्रैग फ्लिकर गुरजीत कौर फीकी रहीं हैं।

बॉक्सिंग में भारत को एक और झटका, सतीश कुमार क्वार्टर फाइनल में हारे

तोक्यो। चोटिल भारतीय मुक्केबाज सतीश कुमार (प्लस 91)विश्व चैम्पियन बखोदिर जालोलोव के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन के बावजूद क्वार्टर में हारकर बाहर हो गए। प्री क्वार्टर फाइनल में लगी चोटों के कारण माथे और ठोडी पर कई टांके लगवाकर उतरे सतीश 0 . 5 से हारे। उन्हें जमैका के रिकार्डो ब्राउन के खिलाफ प्री क्वार्टर फाइनल में दो कट लगे थे। सेना के 32 वर्षीय मुक्केबाज ने अपने दाहिने हाथ से पंच भी जड़े लेकिन जालोलोव पूरे मुकाबले में हावी रहे।तीसरे दौर में सतीश के माथे पर लगा घाव खुल गया लेकिन इसके बावजूद वह लड़ते रहे। फुटबॉलर से मुक्केबाज बने जालोलोव ने अपना पहला ओलंपिक पदक सुनिश्चित करने के बाद सतीश की बहादुरी की तारीफ की। सतीश सुपर हैवीवेट में क्वालीफाई करने वाले भारत के पहले मुक्केबाज थे। वहीं जालोलोव तीन बार के एशियाई चैम्पियन भी हैं। इसके साथ ही पुरूष मुक्केबाजी में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई। लवलीना बोरगोहेन (69 किलो) महिला वर्ग में सेमीफाइनल खेलेंगी जिन्होंने तोक्यो ओलंपिक में मुक्केबाजी में भारत का पहला और एकमात्र पदक सुनिश्चित किया है।

ओलंपिक (पुरूष टेनिस) : ज्वेरेव ने जीता एकल स्वर्ण

टोक्यो। जर्मनी के चौथी वरीयता प्राप्त एलेक्सजेंडर ज्वेरेव ने टोक्यो ओलंपिक 2020 का पुरुष एकल टेनिस खिताब अपने नाम कर लिया है। ज्वेरेव ने स्वर्ण पदक के मुकाबले में रूस के 12वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी केरेन खाचानोव को बेहद एकतरफा तरीके से 6-3, 6-1 से सीधे सेटों में हराया। यह मुकाबला 1 घंटा 19 मिनट चला, जिसमें केरेन कहीं भी ज्वेरेव के सामने टिकते नजर नहीं आए। इससे पहले, स्पेन के पाब्लो बुस्ता केरेनो ने वर्ल्ड नम्बर-1 सर्बिया के नोवाक जोकोविच को हराकर पुरुष एकल का कांस्य जीता था।

ओलंपिक के सेमीफाइनल में पहुंची भारतीय पुरुष हॉकी टीम, ब्रिटेन को 3-1 से दी मात

तो यो। (एजेंसी)।

क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के बाद, मनप्रीत सिंह के नेतृत्व में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने ग्रेट ब्रिटेन को 3-1 से मात दे दी है।भारत बनाम ग्रेट ब्रिटेन मैच भारतीय समयानुसार शाम 5ः30 बजे से शुरू हुआ।1980 के मास्को ओलंपिक खेलों के बाद से भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने सेमीफाइनल में जगह नहीं बनाई है, जहां वी भास्करन के नेतृत्व वाली टीम ने भारत के लिए आठवां स्वर्ण पदक जीता था।

जर्मनी ने पहले क्वार्टर फाइनल में अर्जेंटीना को 3-1 से हराया। जबकि शक्तिशाली ऑस्ट्रेलियाई ने पेनल्टी शूटआउट में नीदरलैंड के खिलाफ दूसरा क्वार्टरफाइनक जीता। बेल्जियम ने तीसरे क्वार्टर फ़ाइनल में स्पेन को 3-1 से हराया और चौथा क्वार्टर फ़ाइनल जीतने पर भारत बेल्जियम से खेलेगा।

ओलंपिक (पुरुष हॉकी) : आस्ट्रेलिया, जर्मनी, बेल्जियम सेमीफाइनल में पहुंचे

तो यो। (एजेंसी)।

आस्ट्रेलिया, बेल्जियम और जर्मनी की पुरुष हॉकी टीमों ने रविवार को अपना-अपना क्वार्टर फाइनल मुकाबला जीतकर सेमीफाइनल का टिकट कटा लिया है।

जर्मनी ने जहां ओई हॉकी स्टेडियम में खेले गए दिन के पहले मुकाबले में ओलंपिक चैम्पियन अर्जेंटीना को 3-1 से हराया वहीं आस्ट्रेलिया ने नीदरलैंड्स को पेनाल्टी शूटआउट के बाद 3-0 से हराया। नीदरलैंड्स और आस्ट्रेलिया के बीच हुए मुकाबला निर्धारित समय तक 2-2 की बराबरी पर छूटा था। शूटआउट के दौरान आस्ट्रेलिया ने अपने गोलकीपर एंड्रयू लेविस चार्टर के साहसिक प्रदर्शन के दम पर यह मुकाबला अपने नाम किया।

दूसरी ओर, जर्मनी ने लुकास विंडफेडर द्वारा किए गए दो गोलों की मदद से 2016 के रियो ओलंपिक में स्वर्ण जीतने वाली अर्जेंटीना की टीम को बाहर का रास्ता दिखाया। सेमीफाइनल में आस्ट्रेलिया के सामना जर्मनी से ही होगा। रविवार को ही विश्व चैम्पियन बेल्जियम ने तीसरे क्वार्टर फाइनल में स्पेन को 3-1 से हराया। सेमीफाइनल में अब बेल्जियम का सामना भारत और ब्रिटेन के बीच होने वाले चौथे मुकाबले के विजेता से होगा।

टोक्यो ओलंपिक

ओलंपिक (गोल्फ): अमेरिका के शॉफेल ने स्वर्ण जीता, लाहिड़ी संयुक्त-42वें स्थान पर रहे

तो यो। (एजेंसी)।

अमेरिका के जेंडर शॉफेल ने रविवार को सैतामा प्रीफेक्क र के कावागोई शहर के कासुमीगासेकी कंट्री क्लब में 18-अंडर-पार 266 स्कोर के साथ टोक्यो ओलंपिक में पुरुषों का गोल्फ स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीत लिया।

शॉफेल ने कहा कि ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतना उनके करियर की सबसे बड़ी जीत है। शऑफेल ने कहा, मैं वास्तव में अपने पिता के लिए जीतना चाहता था। मुझे यकीन है कि वह अभी कहीं रो रहे है। भारत के अनिर्बान लाहिड़ी ने फाइनल राउंड में एक ओवर किया और टूर्नामेंट के लिए पांच अंडर के साथ तीन अन्य के साथ संयुक्त रूप से 42वें स्थान पर रहे। उदयन माने फाइनल राउंड में एक ओवर और कुल तीन ओवर के साथ 56वें स्थान पर थे। संयुक्त 28वें स्थान पर रहते हुए फाइनल राउंड में पहुंचेने वाले पहुंचकर लाहिड़ी ने फाइनल राउंड में एक ओवर 72 का कार्ड हासिल किया और फाइव अंडर 279 (67, 72, 68, 72) के कुल स्कोर के साथ 42वें स्थान पर खिसक गए। ओलंपिक में पदार्पण करने वाले माने ने भी अपने चौथे दौर में एक ओवर 72 का स्कोर किया और 60-खिलाड़ियों के क्षेत्र में तीन ओवर 287 (76, 69, 70, 72) के स्कोर के साथ 56 वें स्थान पर रहे। स्लोवाक गोल्फर रोरी सब्बातिनी ने एक शॉट पीछे रजत जीता। चीनी ताइपे के पान चेंग-सुंग ने प्ले-ऑफ के बाद कांस्य पदक जीता।

अनिर्बान लाहिड़ी ओलंपिक 2020 में संयुक्त 42वें स्थान पर, अमेरिका के शॉफेले ने जीता गोल्ड

तोक्यो। भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी चौथे और अंतिम दौर में एक ओवर 72 के स्कोर के साथ रविवार को यहां ओलंपिक पुरुष गोल्फ स्पर्धा में संयुक्त 42वें स्थान पर रहे। दूसरी बार ओलंपिक में हिस्सा ले रहे लाहिड़ी पहले दौर में 67 के स्कोर के बाद शीर्ष 10 में शामिल थे लेकिन इसके बाद अगले तीन दिन में 72, 68 और 72 के स्कोर से कुल पांच अंडर 283 का ही स्कोर बना पाए। वह 2016 में रियो ओलंपिक में 57वें स्थान पर रहे थे। स्पर्धा में हिस्सा ले रहे एक अन्य भारतीय उदयन माने भी अंतिम दौर में एक ओवर 72 के स्कोर से कुल तीन ओवर के स्कोर के साथ 56वें स्थान पर रहै। लाहिड़ी ने अंतिम दौर में तीन बर्डी और चार बोगी की जबकि माने से चार बर्डी और पांच बोगी की। शेंडर शॉफेले गोल्फ का स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले अमेरिकी खिलाड़ी बने। उन्होंने68, 63, 68 और 67 के स्कोर से कुल 18 अंडर 266 के स्कोर के साथ सोने का तमगा अपने नाम किया। दक्षिण अफ्रीका में जन्में स्लोवाकिया के रोरी सबातीनी ने 69, 67, 70 और 61 के स्कोर से कुल 17 अंडर 267 के स्कोर के साथ रजत पदक जीता। रोरी की पत्नी मार्टिना स्टोफानिकोवा ने उनकी कैडी की भूमिका निभाई। रोनी ने अंतिम दौर में 10 अंडर 61 का ओलंपिक रिकॉर्ड स्कोर बनाया।

ओलंपिक (महिला टेनिस): बारबोरा-कतेरीना ने जीता महिला युगल स्वर्ण

टोक्यो। शीर्ष वरीयता प्राप्त बारबोरा क्रेजसिकोवा और कतेरीना सिनियाकोवा ने रविवार को ओलंपिक में स्विट्जरलैंड की बेलिंडा बेनसिक और विक्टोरिजा गोलुबिक पर सीधे सेटों के अंतर से जीत के साथ महिला युगल में चेक गणराज्य के लिए पहला स्वर्ण पदक अर्जित किया। इस साल की फ्रेंच ओपन एकल और युगल चैंपियन बारबोरा और कतेरीना ने बेलिंडा-विक्टोरिजा की जोड़ी को एक घंटे 25 मिनट में 7-5, 6-1 से हराकर महिला युगल स्वर्ण जीतने वाली चेक गणराज्य की पहली टीम बन गई। .बारबोरा और कतेरीना महिला युगल ओलंपिक फाइनल में पहुंचने वाली तीसरी चेक जोड़ी थीं। हेलेना सुकोवा और स्वर्गीय जाना नोवोत्ना - बारबोरा के पूर्व संरक्षक - ने 1988 और 1996 दोनों ओलंपिक में रजत पदक जीता था, जबकि एंड्रिया ह्लावाकोवा और लूसी हेराडेका ने 2012 में रजत अर्जित किया था। बेलिंडा और विक्टोरिजा ने 2016 में टिमिया बेसिंस्की और मार्टिना हिंगिस के बाद महिला युगल में स्विट्जरलैंड का दूसरा ओलंपिक रजत पदक अर्जित किया। बेलिंडा, जिन्होंने एकल स्पर्धा के 16वें दौर में बारबोरा को हराया, एकल में स्वर्ण जीतने के बाद दो पदक के साथ घर की ओर बढ़ेंगी।

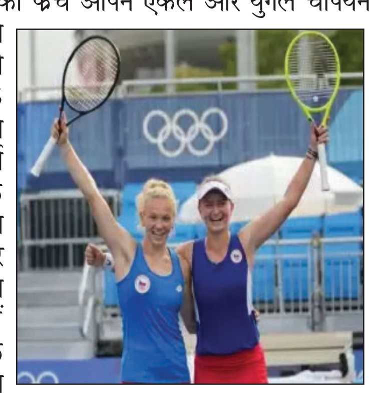

भारतीय तीरंदाजी टीम एक बार फिर ओलंपिक से खाली हाथ लौटी, योजना की कमी का दिखा असर

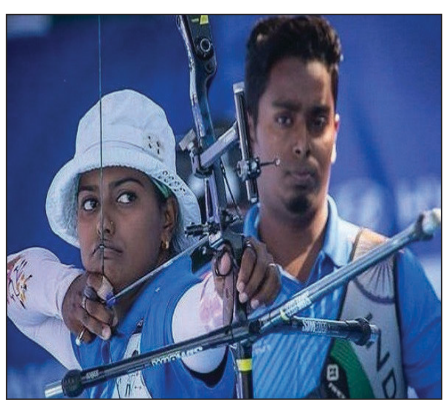

तोयो (एजेंसी)।

भारतीय तीरंदाजों का तोक्यो ओलंपिक का सफर 'पर्यटक' की तरह बिना पदक के ही खत्म हुआ, जहां उनके सटीक निशाने कम लगे और चूक अधिक हुई। भारत की सबसे सफल तीरंदाजों में से एक दीपिका कुमारी देश को ओलंपिक पदक नहीं दिला सकीं, लेकिन वह इन खेलों के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनीं। इस निराशा के बीच महाराष्ट्र के सूखा प्रभावित सतारा जिले के दिहाड़ी मजदूर के बेटे प्रवीण जाधव उम्मीद की किरण बन कर उभरे। रैंकिंग चरण में भारतीयों में शीर्ष पर रहने वाले 25 साल के सेना के तीरंदाज ने दूसरे दौर में दुनिया के शीर्ष रैंकिंग वाले निशानेबाज ब्रैडी एलिसन से हारने से पहले शानदार तीरंदाजी की। अतनु दास ने पूर्व ओलंपिक और विश्व चैंपियन ओह जिन हायक को हराकर लगातार दूसरी बार प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के साथ भारतीयों को खुश होने का मौका दिया लेकिन वह पांच बार के ओलंपिक खेलने वाले दिग्गज ताकाहारू फुरुकावा की चुनौती से पार नहीं पा सके।

भारत को सबसे ज्यादा उम्मीदें दीपिका और अतनु की मिश्रित युगल जोड़ी से थी लेकिन रैंकिंग चरण में अतनु के खराब प्रदर्शन के बाद यह जोड़ी बरकरार नहीं रही। भारतीय खिलाड़ी कोरिया के तीरंदाजों की चुनौती से पार पाने में नाकाम रहे। विश्व रैंकिंग में पहले स्थान पर काबिज दीपिका और मिश्रित युगल जोड़ी के अलावा पुरुष टीम और पुरुष एकल में भी भारतीय तीरंदाजों को कोरियाई खिलाड़ियों से हार का सामना करना पड़ा। इस साल विभिन्न विश्व कप में पांच स्वर्ण पदक जीतने वाली दीपिका ने कोरिया की 20 साल की आन सान के खिलाफ निराशाजनक प्रदर्शन किया। वह मिश्रित टीम के क्वार्टर फाइनल में भी 10 अंक का एक भी निशाना नहीं लगा सकी, जिससे उनकी और जाधव की जोड़ी को हार का सामना करना पड़ा। भारतीय अभियान के खत्म होने के बाद दीपिका और अतनु ने उनकी जोड़ी को तोड़ने पर नाराजगी जतायी।

पूर्व विश्व चैंपियन डोला बनर्जी ने कहा कि अगर दीपिका ने अपने अन्य साथी खिलाड़ियो के साथ अभ्यास नहीं किया तो यह तैयारियों के नजरिये से गलती थी। साल 2007 की इस विश्व चैंपियन ने पीटीआई-से कहा, ''मुझे नहीं पता कि उसने दूसरों के साथ अभ्यास किया था या नहीं। अगर उसने अभ्यास के लिए सिर्फ अतनु को चुना था तो यह बड़ी गलती होगी। उन्होंने कहा कि जाधव को मौका देने में कुछ भी गलत नहीं था क्योंकि वे एफआईटीए के नियमों के मुताबिक था। उन्होंने कहा, ''हां, आपके पास अपनी मूल जोड़ी को बनाये रखने का विकल्प होता है, लेकिन नियमों के मुताबिक हर देश अपने शीर्ष क्रम के खिलाड़ियों को भेजता है।''

भारतीय खिलाड़ियों ने रैंकिंग चरण में ही खराब लय में होने का संकेत दे दिया था। जाधव, अतनु और 39 साल के अनुभवी तरूणदीप राय शीर्ष 30 में जगह बनाने में नाकाम रहे जिसके बाद क्वालीफाइंग दौर में उन्हें मुश्किल चुनौती का सामना करना पड़ा। टीम स्पर्धा में भी उन्हें नौवीं रैंकिंग मिली। दीपिका भी क्वालीफाइंग में नौवें स्थान पर रही। विशेषज्ञों ने इसके लिए उस प्रणाली को भी जिम्मेदार ठहराया जिसमें खेल महासंघ में कोच की जगह खिलाडी की बातों को तरजीह देता है। एक पूर्व कोच ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, '' जब महासंघ सिर्फ तीरंदाजों की बातों को सुनता है तो निराशा हो सकती है। शीर्ष पर बैठे किसी अधिकारी की को जवाबदेह होना चाहिए जैसा कि (पूर्व महासचिव) परेश नाथ मुखर्जी ने किया था। उन्होंने लंदन ओलंपिक के लिए फैसले लिये थे और खराब प्रदर्शन के बाद पद छोड़ दिया था। अब महासंघ में खिलाड़ियों की ही सुनी जाती हैं।